mediaauditornews@gmail.com mediaauditor Epaperdainikmediaauditor.in mediaauditor वर्ष-04 अंक-172 पृष्ठ-8 मूल्य-3 रूपये

सतना

22 जून 2024 शनिवार

दैनिक मीडियाऑडीटर

सतना, रीवा से एक साथ प्रकाशित

बुमराह के ...

@ पेज 7

संक्षिप्त समाचार

शराब नीति केस में केजरीवाल अभी नहीं हो पाए रिहा

● एचसी ने फैसला रखा सुरक्षित रखा, ईडी ने किया विरोध

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली शराब नीति केस में अरविंद केजरीवाल अभी जेल से बाहर नहीं आएंगे। दिल्ली हाईकोर्ट की वैकेशनल बेंच ने शुक्रवार को ईडी की याचिका पर सुनवाई करते हुए कहा कि हम दलीलों पर विचार कर रहे हैं। सोमवार-मंगलवार (24 या 25 जून) को हम फैसला सुनाएंगे। तब तक राउज एवेन्यू कोर्ट के फैसले पर रोक रहेगी। दरअसल, 20 जून को शाम 8 बजे राउज एवेन्यू कोर्ट ने अरविंद केजरीवाल को जमानत दे दी थी। जस्टिस न्याय बिंदु की बेंच ने कहा

था कि ईडी के पास अरविंद केजरीवाल के खिलाफ कोई सीधे सबूत नहीं हैं। कोर्ट ने केजरीवाल को 1 लाख के बेल बॉन्ड पर जमानत दे दी थी। लोअर कोर्ट के फैसले के विरोध में ईडी ने 21 जून को दिल्ली हाईकोर्ट में याचिका लगाई। जस्टिस सुधीर जैन और जस्टिस रविंदर डुडेजा की बेंच में ईडी के वकील एसवी राजू ने कहा कि लोअर कोर्ट का फैसला सही नहीं है। हमें दलीलें रखने का पूरा समय नहीं मिला। बेंच ने 5 घंटे की सुनवाई के बाद फैसला सुरक्षित रख लिया।

नीट काउंसलिंग पर रोक से सुप्रीम कोर्ट का फिर इनकार

● कहा-काउंसलिंग 6 जुलाई से शुरू होगी

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने नीट काउंसलिंग पर रोक लगाने से फिर एक बार इनकार कर दिया है। शुक्रवार को एक स्टूडेंट ने याचिका लगाई। उसका कहना था कि 773 कैंडीडेट्स बिना ग्रेस मार्क्स पाए फेल हुए हैं। पूरी परीक्षा रद्द कर दोबारा कराई जाए। 8 जुलाई को केस पर सुनवाई होनी है ऐसे में 6 जुलाई से शुरू हो रही काउंसलिंग भी 2 दिनों आगे बढ़ाई जाए। इस पर सुप्रीम कोर्ट ने काउंसलिंग पर रोक लगाने से इनकार कर

दिया। हालांकि, रीएग्जाम की मांग पर एनटीए से 2 हफ्तों में जवाब दाखिल करने को कहा है। नीट मामले पर सुप्रीम कोर्ट में 20 जून को हुई सुनवाई के दौरान जस्टिस विक्रम नाथ और और जस्टिस संदीप मेहता की वेकेशन बेंच ने नीट काउंसलिंग पर रोक लगाने से इनकार कर दिया था। बेंच ने केस में सीबीआई जांच की मांग को खारिज किया और कहा था कि सभी पक्षों को सुने बगैर हम सीबीआई जांच का आदेश नहीं दे सकते।

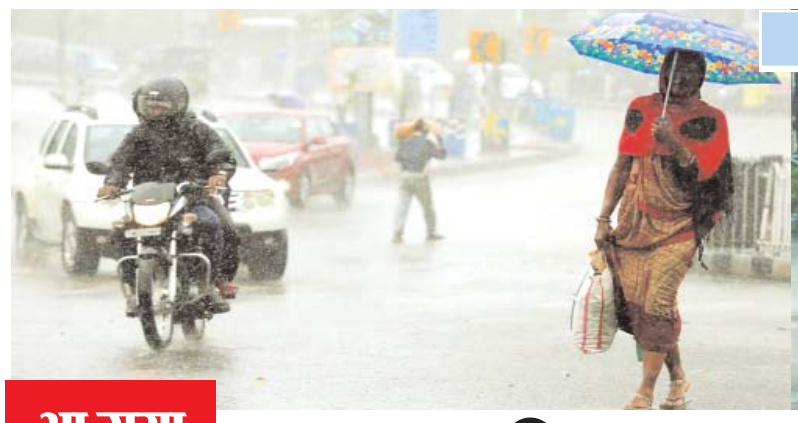

एमपी-झारखंड समेत 6 राज्यों में एक साथ हो गई एंट्री

आ गया मानसून!

अबकी जमकर बरसेंगे बदरा

नई दिल्ली (एजेंसी)। दक्षिण-पश्चिम मानसून 10 दिन थमे रहने के बाद शुक्रवार 21 जून को मध्य प्रदेश पहुंच गया। मध्य प्रदेश में मानसून डिंडौरी के रास्ते आया। भारतीय मौसम विभाग के मुताबिक, मानसून महाराष्ट्र-विदर्भ के हिस्सों, छत्तीसगढ़, ओडिशा, गांगेय पश्चिम बंगाल, उपहिमालयी पश्चिम बंगाल और झारखंड में भी पहुंच गया है। मौसम विभाग ने मध्य प्रदेश के भोपाल-इंदौर समेत 14 जिलों में तेज बारिश का अलर्ट जारी किया है। वहीं, बीते कुछ दिन से 43-45 डिग्री टेम्परेचर झेल रही दिल्ली में भी बारिश हुई और 30-50 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चलीं। आईएमडी ने ये भी बताया कि देश में अब तक (1 से 20 जून तक) 77 मिमी बारिश हुई। यह इस दौरान होने वाली बारिश से 17 फीसदी कम है। 1 से 20 जून तक देश में 92.8 मिमी बारिश हो जाती है। दक्षिण-पश्चिम मानसून निकोबार में 19 मई

को पहुंच गया था। केरल में इस बार दो दिन पहले, यानी 30 मई को, ही मानसून पहुंच गया था और कई राज्यों को कवर भी कर गया। फिर 12 से 18 जून तक (6 दिन) मानसून रुका रहा। इसके चलते उत्तर भारत में हीटवेव चल रही है। मानसून 12 जून तक केरल, कर्नाटक, गोवा, आंध्र प्रदेश और तेलंगाना को पूरी तरह कवर कर चुका था। साथ ही दक्षिण महाराष्ट्र के ज्यादातर हिस्सों, दक्षिणी छत्तीसगढ़ के कुछ हिस्सों, दक्षिणी ओडिशा, उपहिमालयी पश्चिम बंगाल, सिक्किम और सभी पश्चिमोत्तर राज्यों में पहुंच गया था। 18 जून तक मानसून गुजरात के नवसारी, महाराष्ट्र के जलगांव, अमरावती, चंद्रपुर, छत्तीसगढ़ के बीजापुर, सुकमा, ओडिशा के मलकानगिरी और आंध्र प्रदेश के विजयनगरम तक पहुंचा। मौसम विभाग का अनुमान है कि जून में मानसून सामान्य से कम यानी 92 फीसदी लंबी अवधि के औसत से कम रहेगा। उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल, सिक्किम में असम, मेघालय और अरुणाचल प्रदेश, नगालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में तेज रफ्तार से हवाएं चलेंगी।

लोकसभा के बाद विधानसभा चुनाव की तैयारियों में जुटा ईसी

● सबसे पहले वोटर्स लिस्ट पर कर रहा काम, चार राज्यों में शुरू की तैयारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। लोकसभा चुनाव-2024 खत्म होने के बाद अब चुनाव आयोग ने जम्मू-कश्मीर, हरियाणा, झारखंड और महाराष्ट्र में विधानसभा चुनाव कराने की तैयारियां शुरू कर दी हैं। इसे देखते हुए सबसे

पहले इन चारों राज्यों की वोटर लिस्ट को अपडेट करने का काम शुरू किया जा रहा है। इसमें जो भी नौजवान 1 जुलाई को 18 साल के हो रहे हैं। वह भी अपना नाम वोटर लिस्ट अपडेट करने के इस स्पेशल समरी रिवीजन के माध्यम से जुड़वा सकते हैं। आयोग ने बताया कि इसके लिए बीएलओ हर घर में जाकर सुनिश्चित करेंगे कि वहां वोटर थे।

महाराष्ट्र में चुनाव से पहले शिंदे सरकार की बढ़ी गई मुश्किल

ओबीसी आरक्षण पर अब लक्ष्मण हाके बढ़ा रहे सीएम का सिरदर्द

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र में आरक्षण की लड़ाई खत्म होती नहीं दिख रही है। ओबीसी आरक्षण बचाने के लिए भूख

हड़ताल पर बैठे पिछड़ा वर्ग के कार्यकर्ता लक्ष्मण हाके अब राज्य में आरक्षण आंदोलन का नया चेहरा बनकर उभरे हैं। लक्ष्मण हाके साफ किया है कि वह तब तक अनशन खत्म नहीं करेंगे जब तक कि सरकार यह आश्वासन नहीं देती है कि वह ओबीसी के मौजूदा आरक्षण से कोई छेड़छाड़ नहीं करेगी। लक्ष्मण हाके अपने सहयोगी नवनाथ वाघमारे के साथ जालना में अनशन पर बैठै हैं। लक्ष्मण हाके से अभी तक वंचित बहुजन आघाडी के प्रमुख प्रकाश आंबेडकर के साथ महाराष्ट्र सरकार में मंत्री अतुल सावे, उदय सामंत और गिरीश महाजन तथा विधान परिषद के सदस्य गोपीचंद पडलकर मुलाकात कर चुके हैं। हाके जालना जिले के वाडीगोद्री गांव में भूख हड़ताल पर हैं। हाके ने 13 जून को अनशन शुरू किया था।

आरक्षण पर पटना हाईकोर्ट का फैसला आते ही बदला सुर

नीतिश को उकसाने में जुटे तेजस्वी यादव

पटना (एजेंसी)। पटना हाई कोर्ट ने गुरुवार को बिहार सरकार के आरक्षण की सीमा को 50 फीसदी से बढ़ाकर 65 फीसद करने के कानून को रद्द कर दिया। इस पर अब राजद नेता व पूर्व डिप्टी सीएम तेजस्वी यादव ने नीतिश सरकार पर निशाना साधा है।उन्होंने कहा कि हम लोग कोर्ट के इस फैसले से आहत हैं। हालांकि, हम लोगों को संदेह काफी पहले से था कि भाजपा आरक्षण को रोकने के लिए कुछ भी कर सकती है। हम लोगों ने चुनाव में भी यह कहा था कि बीजेपी आरक्षण विरोधी है। आप लोगों को पता है कि हम लोगों ने जब जाति आधारित जनगणना कराई थी, तब बीजेपी के लोगों ने कोर्ट में याचिका दाखिल कर इसे रुकवाने का प्रयास किया था।

तेजस्वी ने कहा कि यही नहीं, सॉलिसिटर जनरल तक को कोर्ट में खड़ा किया गया था, लेकिन हम लोगों की अंत में जीत हुई थी।

इसके बाद हम लोगों ने जाति आधारित सर्वे

भी कराया था। हम लोगों ने पिछड़ों और अति पिछड़ों का आरक्षण 75 फीसद तक बढ़ाया था, ताकि वो लोग आर्थिक मोर्चे पर मजबूत हो सकें। उन्होंने आगे कहा कि हमने इस संबंध में कैबिनेट बैठक भी की थी। प्रेस कांफ्रेंस भी किया था। केंद्र को इस संबंध में पत्र लिखा था कि और कहा था कि इसे शेड्यूल 9 में डाल दिया जाए, ताकि वह सुरक्षित रहे। लेकिन अब तक 9 महीने हो चुके हैं, लेकिन भाजपा और केंद्र सरकार ने इस काम को पूरा नहीं किया।

यूपी में भर्ती परीक्षा केंद्रों पर बड़ा फैसला, बन गई नीति

● सीएम योगी की रणनीति से अब छूटेंगे नकल माफियाओं के पसीने ● प्रश्न पत्रों की छपाई और एजेंसी चयन को लेकर भी नियम हुए सख्त ● परीक्षा केंद्रों पर शिक्षक और अभ्यर्थियों को लेकर भी दिशा-निर्देश जारी

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश में आयोजित होने वाली भर्ती परीक्षाओं को लेकर अब योगी आदित्यनाथ सरकार सख्त एक्शन मोड में है। भर्ती परीक्षाओं के दौरान पेपर लीक मामलों ने योगी सरकार की छवि पर सवाल खड़ा किया है। ऐसे में सीएम योगी आदित्यनाथ ने परीक्षा केंद्रों के गठन को लेकर बड़े आदेश जारी किए हैं। यूपी में आयोजित होने वाली भर्ती परीक्षाओं के लिए परीक्षा केंद्र अब रेलवे स्टेशन से 10 किलोमीटर की परिधि के दायरे में ही होंगे। पहले ही सीएम योगी ने परीक्षा केंद्रों के निर्धारण को लेकर दिशा-निर्देश जारी किए थे। अब स्टेशन से 10 किलोमीटर की परिधि में परीक्षा केंद्रों के बनाए जाने से वहां की कनेक्टिविटी बेहतर होगी। ऐसे में

माना जा रहा है की परीक्षा के दिन इन केंद्रों तक प्रश्न पत्र आसानी से पहुंचाया जा सकेगा। पहले दूरस्थ इलाकों में परीक्षा केंद्र बनाए जाने से पहले ही प्रश्न पत्र भेजना होता था। इसमें प्रश्न पत्र लीक होने की संभावना अधिक रहती थी। इस प्रकार की स्थिति को देखते हुए अब परीक्षा केंद्रों के निर्धारण पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। सीएम योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर पेपर लीक जैसी स्थिति पर लगाम लगाने और परीक्षाओं में धांधली खत्म करने के लिए नई नीति जारी कर दी गई है। परीक्षा केंद्रों को बस स्टैंड, रेलवे स्टेशन और जिला कोषागार से 10 किलोमीटर के भीतर रखना अनिवार्य किया गया है। इसके साथ ही एग्जाम सेंटर को 3 साल परीक्षा करने का अनुभव होना जरूरी कर दिया गया है। शहर की आबादी के भीतर परीक्षा केंद्र रहना अनिवार्य किया गया है।

डीएम कमेटी करेगी केंद्र का चुनाव

परीक्षा केंद्र पर सीसीटीवी चालू अवस्था में होना जरूरी किया गया है। डीएम की अध्यक्षता में समिति बनाकर परीक्षा केंद्रों का चुनाव किया जाएगा। श्रेणी ए में राजकीय इंटर कॉलेज, राजकीय डिग्री कॉलेज, राज्य एवं केंद्र के विश्वविद्यालय, पॉलिटेक्निक, इंजीनियरिंग एवं मेडिकल कॉलेज को रखा गया है। वहीं, श्रेणी बी में इसी दर्जे के ख्याति प्राप्त सुविधासंपन्न एडेड स्कूलों और कॉलेजों को केंद्र बनाया जाएगा। काली सूची में दर्ज विवादित स्कूल और कॉलेजों को किसी भी स्थिति में परीक्षा केंद्र नहीं बनाया जाएगा। परीक्षाओं के प्रश्न पत्र छपाई करने वाले प्रिंटिंग प्रेस को लेकर भी गाइडलाइन जारी कर दी गई है। नई नीति में साफ किया गया है कि प्रिंटिंग प्रेस के चुनाव में पूरी गोपनीयता बरती जाएगी। प्रेस में आने और जाने वाले सभी लोगों की जांच होगी। सभी के पास पहचान पत्र जरूरी किया गया है। प्रेस में कैमरा और मोबाइल फोन ले जाने पर पूरी तरह से प्रतिबंध लगाया गया है। प्रेस के चारों तरफ सीसीटीवी कैमरा होना अनिवार्य किया गया है। उसकी रिकॉर्डिंग को हर साल सुरक्षित रखना होगा। परीक्षा आयोजन कराने वाली एजेंसी के चुनाव में भी पूरी गोपनीयता बरतने का निर्णय लिया गया है।

भारत-पाक में सीधी बातचीत हो, हमारे लिए दोनों अहम

● अमेरिका ने कहा, रक्षा मंत्री वाजा आसिफ ने रिश्ते सुधरने की उमीद जताई थी

वाशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिका ने कहा है कि वो भारत और पाकिस्तान के बीच 'सीधी बातचीत' चाहता है। अमेरिकी विदेश विभाग के प्रवक्ता मैथ्यू मिलर ने गुरुवार को कहा कि हम चाहते हैं कि भारत और पाकिस्तान के बीच बातचीत का स्कोप, पेस और कैरेक्टर उनकी

ही शर्तों पर हो, हमारे हिसाब से नहीं। विदेश विभाग के प्रवक्ता ने कहा कि अमेरिका दोनों देशों के साथ अपने संबंधों को महत्व देता है। एक अन्य सवाल के जवाब में मैथ्यू मिलर ने कहा कि क्षेत्रीय खतरे से निपटने के लिए अमेरिका और पाकिस्तान दोनों का एक साझा लक्ष्य है। मैथ्यू मिलर ने कहा,हम सिक्योरिटी के मुद्दे पर एक हाई लेवल काउंटरटेररिज्म डायलॉग के जरिए पाकिस्तान के साथ जुड़े हुए हैं। हम आंतकवाद के खिलाफ मुहिम में पाकिस्तानी नेताओं के साथ नियमित रूप से बातचीत करते आ रहे हैं। इसके जरिए हम क्षेत्रीय सुरक्षा पर विस्तार से चर्चा करना जारी रखेंगे। हाल के कुछ महीनों में ऐसे संकेत मिले हैं जिसमें पाकिस्तान ने भारत के साथ व्यापार संबंध बहाल करने की इच्छा जताई है। पाकिस्तान ने अगस्त 2019 में आर्टिकल 370 हटाए जाने के बाद भारत के साथ व्यापार को एकतरफा तरीके से रोक दिया था।

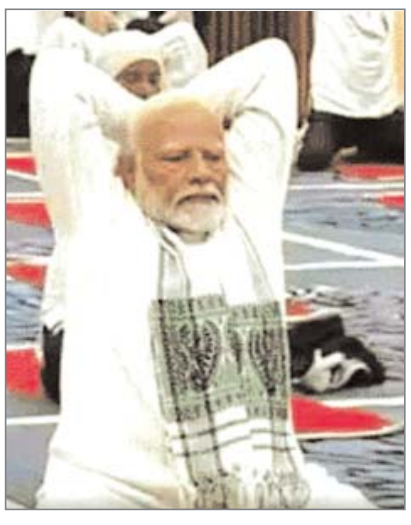

योगमय हुआ देश,आम और खास दोनों ने जमाया आसन

● पीएम मोदी ने श्रीनगर की डल झील के किनारे किया योग ● लोगों के साथ ली सेल्फी,सेना के जवानों का बार्डर पर योग

श्रीनगर (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने श्रीनगर में योग किया। पहले यह कार्यक्रम डल झील के किनारे 6.30 बजे होना था, लेकिन बारिश की वजह से इसे हॉल में शिफ्ट कर दिया गया। यह सुबह करीब 8 बजे शुरू हो पाया। हॉल में करीब 50 लोग और हॉल के बाहर करीब 7 हजार लोगों ने पीएम मोदी के साथ-साथ योग के मुश्किल आसन किए। इसके अलावा आईएनएस विक्रमादित्य पर नौसेनिकों ने सुबह करीब 7 बजे योग किया। लद्दाख में चीन से सटी वास्तविक नियंत्रण रेखा के करीब पैंगॉन्ग झील के किनारे सेना के जवानों ने

अलग-अलग आसन कर 10वां योग दिवस मनाया। 2014 में संयुक्त राष्ट्र ने 21 जून के दिन को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस घोषित किया था।

काशी में गंगा की लहरों से 2 फीट ऊपर जमाया आसन

लखनऊ (एजेंसी)। यूपी में 10वें योग दिवस पर सीएम योगी ने राजभवन में योग किया। उन्होंने कहा- योग सभी के लिए है, इसमें कोई भेदभाव नहीं है। मानवता के अनुकूल है। एक संपूर्ण विधा है। इस दौरान राज्यपाल आनंदीबेन पटेल भी मौजूद रहीं। गाजजियाबाद में मुंबई पुलिस के पूर्व कमिश्नर और बागपत के पूर्व सांसद सत्यपाल सिंह (69) ने मोदीनगर के पतंजलि वेलनेस सेंटर में वृक्षासन किया। काशी में विश्वनाथ धाम और गंगा घाट पर योग किया गया। यहां गंगा के पंचगंगा घाट पर धीरज गोस्वामी ने जल योग की क्रियाएं की। वह योग करते हुए गंगा की लहरों में दो फीट ऊपर उछल गए। धीरज वाराणसी में फोटोग्राफी और गाइड का भी काम करते हैं। बातचीत में उन्होंने कहा- मैं बचपन से ही गंगा घाट पर स्नान करता हूं।

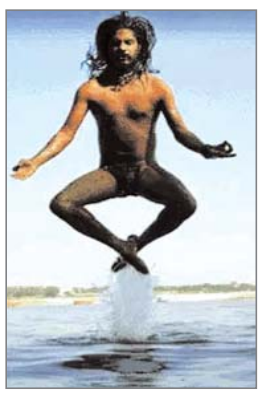

संक्षिप्त समाचार

उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने उत्तरप्रदेश के मुख्यमंत्री आदित्यनाथ से सौजन्य भेंट की

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। उप मुख्यमंत्री श्री राजेंद्र शुक्ल ने गुरुवार रात्रि लखनऊ में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ से शिष्टाचार भेंट की। उन्होंने श्री आदित्यनाथ से उत्तर प्रदेश के सीमावर्ती क्षेत्रों से मध्यप्रदेश एवं मुख्यत: विंध्य क्षेत्र के जिलों में विक्रय हो रहे मादक पदार्थ कोडिन फॉस्फेट (कोरेक्स) जिससे युवाओं में नशे की लत बढ़ रही है, उसके रोकथाम एवं ऐसा करने वालों पर एनडीपीएस एक्ट के तहत सख्त कार्रवाई का आग्रह किया।

प्रशासन अकादमी में उत्साहपूर्वक मनाया गया अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। 10वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर आरसीव्हीपी नरोन्हा प्रशासन एवं प्रबंधकीय अकादमी परिसर में उत्साहपूर्वक मनाया गया। अकादमी के योग केन्द्र बैडमिंटन हॉल एवं मुख्य भवन हॉल में योगाभ्यास किया गया। योगाचार्य श्री आर.के. दौनेरिया ने विभिन्न योगासनों की जानकारी देते हुए सूर्य नमस्कार सहित अन्य योगासन कराए। विशेष कर्त्तव्यथ अधिकारी सह संचालक श्री मुजीबुर्रहमान खान एवं अधिकारी-कर्मचारियों सहित बड़ी संख्या में आम नागरिकों ने योगाभ्यास में सहभागिता की।

योग शारीरिक, मानसिक स्वास्थ्य के साथ व्यवहारिक आचार-विचार को भी संतुलित करता है -मंत्री उईके

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी मंत्री श्रीमती संपतिया उईके ने 10वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर इंडोर स्टेडियम, मण्डला में सामूहिक योगाभ्यास कार्यक्रम में शामिल होकर योग किया। मंत्री श्रीमती उईके एवं उपस्थित जनसमूह ने प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी श्रीअन्न संवर्धन अभियान में वर्चुअली सहभागिता की। इसके तहत कोदो-कुटकी के बीज वितरित कर सभी से इस अभियान में सहभागी बनने के लिए आग्रह किया। साथ ही मुख्यमंत्री श्री मोहन यादव के उद्बोधन के लाइव प्रसारण को सुना। मंत्री श्रीमती उइके ने योग शारीरिक, मानसिक स्वास्थ्य के साथ व्यवहारिक आचार- विचार को भी संतुलित करता है ,योग न केवल हमारे शरीर को, बल्कि हमारी सोच और जीवन दृष्टिकोण को भी बदलता है। यह हमें एक स्वस्थ, खुशहाल और समृद्ध जीवन की ओर अग्रसर करता है। उन्होंने कहा कि इस अवसर पर संकल्प लें कि हम सब नियमित रूप से योग करेगें एवं भारत को रोग मुक्त बनायेंगे। इस अवसर पर सांसद श्री फग्गन सिंह कुलस्ते, स्थानीय जनप्रतिनिधि एवं गणमान्य नागरिक अधिकारी उपस्थित रहे।

स्वस्थ सशक्त भारत के लिए नियमित रूप से योग करने का लें प्रण

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। उप मुख्यमंत्री श्री राजेंद्र शुक्ल प्रात: काल शासकीय मार्तंड हायर सेकेंडरी स्कूल, रीवा में 10वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस कार्यक्रम में सम्मिलित हुए और सामूहिक योग क्रिया में सहभागिता की। उन्होंने कहा कि यह अत्यंत गर्व का विषय है कि योग, जो हमारे ऋषियों की अनमोल देन है, आज पूरे विश्व में स्वस्थ और संतुलित जीवनशैली का प्रतीक बन चुका है। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने सभी को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि योग शरीर, मन और बुद्धि को स्वस्थ रखने की भारतीय जीवन पद्धति है। इसका नियमित अभ्यास न सिर्फ मनुष्य को ऊर्जासंपन्न बनाता है, बल्कि उनमें सकारात्मक चेतना का विकास भी करता है। उन्होंने स्वस्थ भारत, सशक्त भारत के निर्माण के लिए नियमित रूप से योग करने व अन्य लोगों को भी योग के प्रति जागरूक करने का संकल्प लेने की अपील की है। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने श्री अन्न संवर्धन योजना का शुभारंभ करते हुए किसानों को मिलेट्स के पैकेट बांटे।

शरीर, मन और आत्मा को संतुलित रखने योग ज़रूरी-राज्यपाल

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने कहा है कि शरीर, मन और आत्मा के संतुलन के लिए योग अत्यंत ज़रूरी है। योग सरल है, सभी के लिए हैं। यह व्यक्तिगत और सामूहिक रूप से किया जा सकता है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के विशेष प्रयासों से योग अब वैश्विक उत्सव बन गया है। श्री पटेल अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर राजभवन में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर राजभवन में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के उद्बोधन का जम्मू-कश्मीर से लाईव प्रसारण किया गया। राज्यपाल श्री पटेल ने कहा कि योग हमारे पूर्वजों की धरोहर है। ऋषि-मुनियों की देन है। हमें योग को अपने जीवन का हिस्सा बनाना चाहिए। भौतिकवादी जीवनशैली और बदलते खान-पान के दौर में हमें योग के साथ अपने खान-पान, आचार-विचार पर भी विशेष ध्यान देना ज़रूरी

है। उन्होंने मोटे अनाज, व्यायाम, पर्याप्त पानी और भरपूर नींद को स्वस्थ शरीर के लिए आवश्यक बताया। श्री पटेल ने 40 वर्ष की आयु तक मन को भाने वाले और 40 वर्ष के बाद शरीर को भाने वाले खान-पान को अपनाने की सलाह दी। राज्यपाल श्री पटेल ने सामूहिक रूप से योग के विभिन्न आसनों, प्राणायाम और ध्यान की क्रियाओं में भाग लिया। उन्होंने बैठकर, पीठ के बल लेटकर, पेट के बल लेटकर, खड़े होकर किए जाने वाले आसन किए। राज्यपाल श्री पटेल के साथ करीब 150 व्यक्तियों ने सामूहिक रुप से ग्रीवा चालन, स्कंध संचालन, ताड़ासन, मकरासन, सेतुबंध आसन, उत्तानपादासन, पवनमुक्तासन और शवासन किए। आसनों के बाद कपालभाति, नाड़ीशोधन, अनुलोम-विलोम, भ्रामरी, आदि प्राणायाम किए। क्लैपिंग एवं लाफिंगथेरेपी के साथ सामूहिक योग कार्यक्रम का समापन हुआ। योग गुरु श्री राजीव जैनत्रिलोक ने योग की विभिन्न मुद्राओं का अभ्यास कराया। राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल का सामूहिक योग कार्यक्रम के पूर्व बरकतउल्ला विश्वविद्यालय के योग संकाय के छात्रों ने पुष्पगुच्छ भेंटकर स्वागत किया। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर राजभवन में आयोजित कार्यक्रम में राज्यपाल के प्रमुख सचिव श्री मुकेश चंद गुप्ता, अपर सचिव श्री उमाकांत भार्गव, राजभवन के अधिकारी, कर्मचारी, परिजन और बच्चे शामिल हुए।

योग और श्रीअन्न को अपने जीवन में शामिल कर बनें स्वस्थ: डॉ. कुंवर विजय शाह

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। 10वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर जनजातीय कार्य मंत्री डॉ. कुंवर विजय शाह खंडवा में आयोजित जिला स्तरीय योग कार्यक्रम में शामिल हुए। योग दिवस पर प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के आतिथ्य में आयोजित कार्यक्रम का स्क्रीन पर लाइव प्रदर्शन भी किया गया। कार्यक्रम में मंत्री श्री शाह ने योग और श्रीअन्न के महत्व पर बल दिया। उन्होंने कहा कि आज के भागदौड़ और तनावपूर्ण जीवन में शारीरिक व मानसिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाए रखने के लिए अपनी दिनचर्या में योग व श्रीअन्न को शामिल करना आवश्यक है। मंत्री ने श्रीअन्न (मोटे अनाज) की प्रदर्शनी का अवलोकन भी किया और कहा कि एक समय में मिलेट्स को लेकर हमारी अवधारणा अलग थी। लेकिन आज यह वैज्ञानिकों और डॉक्टरों द्वारा सिद्ध हो चुका है कि यह हमारे शरीर के लिए अमृततुल्य है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने मोटे अनाज को लेकर जो जनचेतना पैदा की है उससे देश ही नहीं दुनिया भर में इस भारत के श्रीअन्न का महत्व बढ़ा है। योग दिवस के अवसर पर

जनजातीय कार्य विभाग के अंतर्गत प्रदेश भर में संचालित एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय, सीएम राइज विद्यालय, कन्या शिक्षा परिसर और आदर्श आवासीय विद्यालयों में भी सामूहिक योगाभ्यास के विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए। भोपाल में बावड़िया कला स्थित एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय में भी सामूहिक योगाभ्यास आयोजित किया गया। इसमें मणिपुर, हिमाचल प्रदेश, ओडिशा, तेलंगाना, छत्तीसगढ़ और उत्तर प्रदेश राज्यों के जनजातीय विद्यार्थियों सहित प्राचार्य, शिक्षकों व स्टाफ ने भी योगाभ्यास किया।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर जिलेभर में सामूहिक योग कार्यक्रम हुए आयोजित

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। दसवें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर सीहोर जिला मुख्यालय स्थित शासकीय आवासीय खेल परिसर में सामूहिक योग कार्यक्रम आयोजित किया गया। सामूहिक योग कार्यक्रम के अवसर पर राजस्व मंत्री श्री करण सिंह वर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के प्रयासों से 21 जून को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के रूप में मनाने की शुरुआत हुई है। उन्होंने कहा कि तन और मन को शांत और स्वस्थ रखने के लिए योग करना बहुत जरूरी है। योग करने से शारीरिक और मानसिक दोनो लाभ

मिलते है। यह तनाव, चिंता को कम करने में भी मदद करता है।

कार्यक्रम में विधायक श्री सुदेश राय, कलेक्टर श्री प्रवीण सिंह, एसपी श्री मयंक अवस्थी, जिला पंचायत सीईओ श्री आशीष तिवारी, अपर कलेक्टर श्री वृंदावन सिंह सहित अनेक जनप्रतिनिधियों, अधिकारी-कर्मचारियों, विद्यालयों, महाविद्यालयों, पॉलिटेक्निक, आईटीआई सहित शैक्षणिक संस्थाओं के विद्यार्थियों योग संस्थानों, एनसीसी, एनएसएस, पुलिस कर्मियों, विभिन्न प्रशिक्षण संस्थान,

खजुराहो में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर सामूहिक योगाभ्यास किया गया

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। विश्व पर्यटन नगरी खजुराहो में 10वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर पश्चिमी मंदिर समूह कंदारिया महादेव मंदिर प्रांगण में बृहद योगा कार्यक्रम वन एवं पर्यावरण राज्य मंत्री दिलीप अहिरवार शामिल हुए। योगाभ्यास में लगभग 1500 से अधिक लोग शामिल हुए। श्रीअन्न संवर्धन अभियान का भी शुभारंभ हुआ। वर्चुअली देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के उद्बोधन को सुना गया।

खजुराहो में योगाभ्यास के पूर्व वन एवं पर्यावरण राज्य मंत्री दिलीप अहिरवार ने कहा कि योग को अपने जीवन का हिस्सा बनाने का संदेश दिया। कार्यक्रम में सहभागिता कर जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों, विद्यार्थियों और नागरिकों ने योगाभ्यास किया। योग कार्यक्रम में जिला पंचायत अध्यक्ष विद्या अग्निहोत्री, राजनगर विधायक अरविंद पटेरिया, नगरपालिका

अध्यक्ष छतरपुर ज्योति चौरसिया, नगरपरिषद खजुराहो अध्यक्ष अरुण अवस्थी सहित चंद्रभान सिंह गौतम उपस्थित थे।

प्रशासनिक अधिकारियों में कलेक्टर संदीप जी.आर., जिला पंचायत सीईओ तपस्या परिहार एसपी अगम जैन, एडीएम मिलिंद नागदेवे सहित अन्य प्रशासनिक अधिकारी-कर्मचारी शामिल हुए। इस अवसर पर मुख्यमंत्री निवास, भोपाल में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के आतिथ्य में आयोजित %राज्य स्तरीय योगाभ्यास% कार्यक्रम का सीधा प्रसारण दिखाया गया।

हम सबको दैनिक दिनचर्या में योग को शामिल करना चाहिए -मंत्री तोमर

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस पर गुना में जिला स्तरीय कार्यक्रम में ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने जनप्रतिनिधियों एवं प्रशासनिक अधिकारियों एवं विद्यार्थियों के साथ योगाभ्यास किया। उन्होंने कहा कि योग हमारी प्राचीन संस्कृति का हिस्सा है, हम सबको दैनिक दिनचर्या में योग को शामिल करना चाहिए। ऊर्जा मंत्री श्री तोमर ने कहा कि हम सभी हमारे प्रधानमंत्री के आभारी हैं,

जिन्होंने योग कार्यक्रम को प्रतिवर्ष 21 जून को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के रूप में मनाने के लिए संयुक्त राष्ट्र संघ में आधिकारिक रूप से मान्यता दिलवाई। उन्होंने सभी को योग दिवस की शुभकामनाएं एवं बधाई दी। इस दौरान प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के उद्बोधन का लाइव प्रसारण भी किया गया। श्री तोमर ने श्रीअन्न संवर्धन योजना से संबंधित कार्यक्रम स्थल पर लगाई गई प्रदर्शनी अवलोकन किया और मोटे अनाज से तैयार किये गए व्यंजन को चखा। कार्यक्रम के अंत में सभी जनप्रतिनिधियों ने विद्यालय परिसर में वृक्षारोपण किया। कार्यक्रम में जिला पंचायत अध्यक्ष श्री अरविंद धाकड़, नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती सविता अरविंद गुप्ता, नगर पालिका उपाध्यक्ष श्री धर्म सोनी सहित अन्य जनप्रतिनिधि उपस्थित थे।

स्वस्थ जीवन के लिए योग और श्री अन्न जरूरी- कुटीर एवं ग्रामोद्योग राज्यमंत्री जायसवाल

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। कुटीर एवं ग्रामोद्योग राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री दिलीप जायसवाल ने कहा है कि स्वस्थ जीवन के लिए योग जरूरी है। हमारे देश की संस्कृति में योग प्राचीनकाल से विद्यमान है। हमारी योग विद्या ने पूरे विश्व को प्रभावित किया है। इस विधा को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने के लिए प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने विशेष पहल की और उनके सद्प्रयासों से ही संयुक्त राष्ट्र संघ की पहल पर वर्ष 2015 से अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस हर साल 21 जून को मनाया जाने गया। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर सामूहिक योगाभ्यास के माध्यम से योग का व्यापक प्रचार-प्रसार हो रहा है। इससे बड़ी संख्या में लोग लाभान्वित

हो रहे हैं। अनूपपुर जिला मुख्यालय में हुए सामूहिक योगाभ्यास में जिला पंचायत की अध्यक्ष श्रीमती प्रीति रमेश सिंह, कलेक्टर श्री आशीष वशिष्ठ, पुलिस अधीक्षक श्री जितेन्द्र सिंह पवार सहित अन्य अधिकारी, कर्मचारी, नागरिक, पत्रकार, जनप्रतिनिधि, विद्यार्थियों ने कार्यक्रम में भागीदारी करते हुए सामूहिक योगाभ्यास किया। योग प्रशिक्षको ने अनुलोम विलोम, कपालभाति, भ्रामरी, शवासन, पद्मासन, अर्ध चक्रासन, शसंगासन, पवनमुक्तासन, नौकासन, मकरासन आदि योग विद्या की जानकारी देते हुए योगाभ्यास कराया गया। दसवें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस एवं श्री अन्न संवर्धन अभियान के शुभारंभ कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कुटीर एवं ग्रामोद्योग राज्यमंत्री श्री जायसवाल ने कहा कि योग शारीरिक, मानसिक एवं जीवन के समग्र विकास के लिए आवश्यक है। उन्होंने सभी से योग को प्रतिदिन अपनी दिनचर्या में शामिल करने की अपील की। उन्होंने कहा कि श्री अन्न/मोटा अनाज से विभिन्न प्रकार के फायदे हैं। उन्होंने सभी को इसके संबंध में जानकारी देते हुए इसे अपने दिनचर्या में शामिल करने की बात कही। उन्होंने कहा कि श्री अन्न (मोटा अनाज) अनेक प्रकार की बीमारियों से लड़ने में सहायता करता है तथा शरीर को आवश्यक पोषक तत्व तथा उच्च ऊर्जा प्रदान करने में सहायक होता है।

योग भारतीय संस्कृति की अमूल्य धरोहर- राज्यमंत्री श्री पटेल

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा राज्य मंत्री श्री नरेंद्र शिवाजी पटेल ने कहा है कि योग, हमारी भारतीय संस्कृति की अमूल्य धरोहर और विरासत है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने योग को विश्व स्तर पर पहचान दिलाने के लिए महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। इन्हीं प्रयासों का फल है कि 21 जून को सम्पूर्ण विश्व में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाता है। राज्य मंत्री श्री पटेल ने सभी नागरिकों को अपने जीवन में योग को अपनाकर स्वस्थ्य और खुशहाल जीवन की ओर कदम बढ़ाने की अपील की। राज्यमंत्री श्री पटेल ने दसवें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर रायसेन स्थित वन परिसर में सामूहिक योगाभ्यास किया। कार्यक्रम में सांची विधायक डॉ प्रभुराम चौधरी ने कहा कि पहला सुख निरोगी काया है। व्यक्ति को सुखी रहने के लिए स्वस्थ्य रहना जरूरी है और स्वास्थ्य के लिए योग जरूरी है। सभी को अपनी जीवन शैली में योग को शामिल करना चाहिए। योग स्वस्थ रहने का सबसे सशक्त माध्यम है। कार्यक्रम में श्री अन्न संवर्धन अभियान का शुभारंभ किया गया। स्थानीय

जनप्रतिनिधि, अधिकारी-कर्मचारी, विभिन्न संस्थाओं के सदस्य, आमजन, महाविद्यालयों तथा विद्यालयों के छात्र-छात्राओं द्वारा सामूहिक रूप से योगासन किया गया। कार्यक्रम स्थल पर प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी तथा मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के कार्यक्रम का लाईव प्रसारण देखा व सुना गया।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर सामूहिक योगाभ्यास कार्यक्रमों का हुआ आयोजन

नियमित योग शारीरिक, मानसिक और आध्यात्मिक विकास के साथ उत्तम स्वास्थ्य को बनाये रखने के लिए महत्वपूर्ण है: सांसद

मीडिया ऑडीटर, सीधी निप्र। छत्रसाल स्टेडियम सहित जिले के विभिन्न स्थानों में 10वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर सामूहिक योगाभ्यास कार्यक्रमों का आयोजन हुआ। जिला स्तरीय सामूहिक योगाभ्यास कार्यक्रम का आयोजन छत्रसाल स्टेडियम सीधी में सांसद डॉ. राजेश मिश्रा के मुख्य आतिथ्य तथा विधायक सीधी रीती पाठक की अध्यक्षता में आयोजित हुआ। सामूहिक योगाभ्यास कार्यक्रम में जिला पंचायत अध्यक्ष मंजू सिंह, कलेक्टर स्वरोचिष सोमवंशी, पुलिस अधीक्षक डॉ रविन्द्र वर्मा, जिला पंचायत सीईओ राहुल धोटे सहित अन्य अधिकारियों तथा बड़ी संख्या में युवाओं एवं विद्यार्थियों ने भाग लिया। कार्यक्रम में विभिन्न सामाजिक संगठनों ने भी अपनी भागीदारी निभाई। कार्यक्रम में योग प्रशिक्षकों द्वारा योग कराया गया तथा योग के महत्व एवं स्वस्थ जीवन में योग अनिवार्यता के संबंध में बताया गया। कार्यक्रम

में 10वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर मुख्यमंत्री निवास भोपाल में आयोजित ''राज्य स्तरीय योगाभ्यास'' कार्यक्रम का वर्चुअल माध्यम से सजीव प्रसारण किया गया, जिसमें मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का उद्बोधन दिखाया एवं सुनाया गया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री द्वारा ''श्रीअन्न संवर्धन अभियान'' का शुभारंभ किया गया।

सामूहिक योगाभ्यास कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सांसद डॉ. मिश्रा ने कहा कि योग के माध्यम से निरोग रहने के लिए हमारी शारीरिक दक्षता के साथ आहार का भी महत्व है। शरीर के स्वस्थ रहने के लिए अगर कोई रामबाण है तो वह है योग। अगर हम निरंतर योग करें तो शरीर निरोगी रहता है और बुद्धि प्रखर होती है। योग हमारी हजारों साल पुरानी विधा है। हमें प्रतिदिन योग करना चाहिए। हमारे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की पहल के कारण सारी दुनिया योग का लाभ उठा रही है। योग दिवस के साथ-साथ हमें प्रतिदिन योगाभ्यास को अपनी दिनचर्या में शामिल करना चाहिए। उन्होंने कहा कि योग हमारी भारतीय संस्कृति और सभ्यता की अनमोल देन है और आज वासुधैव कुटुंबकम के मूलमंत्र को साधते हुए हमारे देश के यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने पूरे विश्व को योग माला में पिरोने का काम किया है। नियमित योग शारीरिक, मानसिक और आध्यात्मिक विकास के साथ उत्तम स्वास्थ्य को बनाये रखने के लिए महत्वपूर्ण है।

विधायक सीधी पाठक ने कहा कि आज हम अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मना रहे हैं। योग शरीर को निरोग बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। योग को अपनाकर अपने शरीर को स्वस्थ रखें। योग सिर्फ एक योगाभ्यास ही नहीं है बल्कि एक जीवन पद्धति भी है। आप सभी जिलेवासियों को योग दिवस की हार्दिक शुभकामनायें। योग हमारी हजारों वर्ष पुरानी विधा होने के साथ कला और संस्कृति का प्रमुख संगम भी है। योग सम्पूर्ण विश्व को भारत की ओर से एक उपहार है, यह स्वस्थ जीवन तथा मन और शरीर के बीच के सही संतुलन की कुंजी है। स्वस्थ शरीर से स्वस्थ विचारों का निर्माण होता है इसलिए रोगमुक्त रहने के लिए योग अवश्य करें। उन्होंने कहा कि पूरी दुनिया में भारत का मान बढ़ाने वाले प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के आह्वान पर संयुक्त राष्ट्र के माध्यम से संपूर्ण विश्व ने योग को अपनाया था। विधायक सीधी पाठक द्वारा जिलेवासियों से स्वस्थ एवं निरोगी काया के लिए योग को अपनी दिनचर्या में शामिल करने की अपील की गई है।

इस अवसर पर जनपद पंचायत सीधी के अध्यक्ष धर्मेंद्र सिंह परिहार, अपर कलेक्टर राजेश शाही, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अरविंद श्रीवास्तव, एसडीएम गोपद बनास नीलेश शर्मा सहित गणमान्य नागरिकों देवकुमार सिंह चौहान, के के तिवारी, जनप्रतिनिधियों, बड़ी संख्या में युवाओं एवं विद्यार्थियों द्वारा सामूहिक योगाभ्यास किया गया।

जिले में जारी है नशे के विरुद्ध पुलिस का अभियान

प्रत्येक व्यक्ति को जागरूक करना हमारा दायित्व: डॉ वर्मा

मीडिया ऑडीटर, सीधी निप्र। आगामी 26 जून को मनाए जाने वाले अंतर्राष्ट्रीय नशा मुक्ति दिवस के लिए पुलिस मुख्यालय द्वारा जारी निर्देश के बाद पुलिस अधीक्षक डॉ. रविन्द्र वर्मा के निर्देशन में जिले के सभी थाना चौकी प्रभारियों के नेतृत्व में जिले भर में नुक्कड़ नाटक एवं चौफाल लगाकर लोगों को नशे के विरुद्ध जागरूक किया गया। गौरतलब है कि नशीले पदार्थों का समाज में तेजी से चलन बढ़ रहा है। जिसकी चपेट में नवयुवक आ रहे हैं। युवाओं में विशेष कर स्कूल कॉलेज के छात्र.छात्राओं में नशे की प्रवृत्ति तेजी से बढ़ रही है। नशा एक ऐसा पदार्थ है जिसके प्रयोग से मानव शरीर खोखला हो जाता है। नशे की भेंट चढ़ जाने के कारण कैंसर, जिगर का खराब होना, फेफड़ों, दिल की बीमारी, शरीर का कमजोर होना, याददाश्त कमजोर होना, एड्स, मानसिक रोग आदि की बीमारी शरीर में घर कर सकती है। नशे की आदत एक बीमारी है जिससे ज्यादातर सामाजिक, मानसिक तथा आर्थिक रूप से कमजोर लोग ही इसका शिकार होते हैं।

पुलिस अधीक्षक की अपील – डॉ.रविन्द्र वर्मा पुलिस अधीक्षक ने जिले वासियों से अपील की है कि आप अपने आस.पास के लोगो को नशे से होने वाले नुकसान के बारे बताये एवं नशीले पदार्थ बेचने वाले लोगो की जानकारी पुलिस को दे जिससे सीधी जिले को नशामुक्त जिला बनाया जा सके।

बिजली कर्मचारियों के साथ अभद्रता की घटनाएँ बढती जा रही हैं: अजय सिंह

मीडिया ऑडीटर, सीधी निप्र। पूर्व नेता प्रतिपक्ष और चुरहट विधायक अजय सिंह ने कहा है कि प्रदेश में माफ्रियाओं द्वारा बिजली चोरी की घटनाएं बढ़ती जा रही हैं। बिजली अधिकारियों द्वारा वसूली करने या कनेक्शन काटे जाने पर छुटभैया नेताओं द्वारा अराजकता की जाती है। उनके द्वारा बिजली दफ्तरों में हंगामा किया जाता है। बिजली दफ्तरों में तोड़.फोड़ कर अधिकारियों कर्मचारियों के साथ दुर्व्यवहार किया जाता है। कभी-कभी तो स्थिति हिंसक हो जाती है। इन घटनाओं से बिजली अमले में भय और रोष है। इन घटनाओं में भाजपा से जुड़े पदाधिकारियों, जनप्रतिनिधियों और कार्यकर्ताओं के नाम अक्सर समाचारपत्रों में प्रकाशित होते रहते हैं। विद्युत अधिकारी कर्मचारी संघ ने सरकार से सुरक्षा की मांग की है अन्यथा वे काम का बहिष्कार करेंगे।

अजय सिंह ने मुख्यमंत्री मोहन यादव से समय रहते वस्तुस्थिति की जानकारी बुलाकर कार्यवाही करने की मांग की है। उन्होंने कहा है कि परिस्थितियां और खराब होंए इसके पहले एक्शन लिया जाना जरूरी है ताकि बिजली अमले का मनोबल बना रहे। उन्हें तत्काल उच्च अधिकारियों की बैठक बुलाकर समस्या का समाधान खोजना चाहिये और विद्युत अमले की सुरक्षा के लिए ठोस नीति लागू करना चाहिये।

सिंह ने कहा कि वे ये सब बातें जबलपुर में हाल ही में हुई घटना के संदर्भ में कह रहे हैं। उन्होंने कहा कि जबलपुर के विजयनगर में विगत दिवस लोगों ने बिजली दफ्तर में वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बिजली बिल को लेकर गाली.गलौच की, धक्का मुक्की करते हुए मारपीट की और तांडव मचाया। घटना का वीडियो सामने आया है। यह कृत्य कुछ अराजक लोगों द्वारा किया गया है जो खुद को जनप्रतिनिधि कह रहे हैं। इसकी शिकायत पुलिस में भी हुई है। सिंह ने कहा कि प्रदेश भर में भीषण गर्मी है। लगातार विद्युत आपूर्ति की डिमांड बढ़ती जा रही है। कम संसाधन के बाद भी विद्युत कर्मी पूरी लगन और मेहनत के साथ विद्युत आपूर्ति बनाये रखने में पूरा योगदान दे रहे हैं। ऐसे में सरकार का दायित्व है कि परिस्थितियों को बिगड़ने न दे और दोषियों के विरुद्ध निष्पक्ष कार्यवाही की जाये।

जबलपुर जोन में डीआरएम स्तर की बैठक आयोजित

मीडिया ऑडीटर, रीवा निप्र। डीआरएम की बैठकरीवा से जयपुर वाया अशोक नगर एक नई रेलगाड़ी प्रारंभ करने और रीवा से मुंबई तथा रीवा से इंदौर जाने वाली रेलगाड़ी को नियमित कर प्रतिदिन चलाए जाने की मांग शंकर सहानी ने रखी है। रेवांचल चेंबर ऑफ कॉमर्स के महासचिव एवं पश्चिम मध्य रेल उपयोगकर्ता परामर्श समिति के सदस्य शंकर सहानी ने शुक्रवार को जबलपुर में आयोजित पश्चिम मध्य रेल (डीआरयूसीसी) की संपन्न बैठक में रीवा रेलयात्रियों की सुविधाओं एवं रेल विस्तार संबंधी मांग रखते हुए कहा कि रीवा-जयपुर वाया अशोक नगर नई रेलगाड़ी के संचालन से जहां धार्मिक नगरी अजमेर आने-जाने वाले तीर्थयात्री लाभान्वित होंगे वहीं शिक्षा के लिए कोटा आने-जाने वाले छात्रों एवं अशोक नगर के पास स्थित प्रसिद्ध तीर्थस्थल आनंदपुर आने-जाने वाले यात्री व बुंदेलखंड तथा विंध्य के हजारों रेलयात्री लाभान्वित होंगे। चेंबर के महासचिव शंकर सहानी ने बताया कि छत्तीसगढ़ की राजधानी को विंध्य क्षेत्र से सीधा जोड़ने के लिए रीवा से बिलासपुर चलने वाली रेलगाड़ी का विस्तार कर इसका संचालन रायपुर तक करने का सुझाव भी प्रमुखता के साथ रखा गया है। डीआरएम डॉ. विवेक शील की अध्यक्षता में संपन्न उक्त बैठक में सीनियर डीसीएम मधुर वर्मा ने जवाब देते हुए कहा कि रीवा-बिलासपुर का विस्तार रायपुर तक करने सारणी एजेंडा 2024 में सम्मिलित कर भेजा गया है स्वीकृति प्राप्त होने पर अग्रिम कार्यवाही की जावेगी इसी तरह रीवा - मुंबई एवं रीवा -इंदौर को प्रतिदिन चलाने का प्रस्ताव भी भेजा गया है।

चार दिवसीय सुरताल महोत्सव में अनुष्का को सर्वश्रेष्ठ बघेली लोक गायिका का मिला खिताब

मीडिया ऑडीटर, सीधी निप्र। जिले में प्रतिभाओं की कमी नही है, आवश्कता है तो बस उन्हे तरासने की एवं उचित प्लेट फार्म तक रास्ता दिखाने की इसके बाद जिले के प्रतिभावान छात्र छात्रायें जिले का मान राष्ट्रीय पटल तक पहुँचाने में कोई कोर कसर नही छोड़ते हैं। इसी क्रम में सीधी की बेटी अनुष्का ने रीवा में आयोजित सुर ताल महोत्सव में बघेली एकल गायन में सर्वश्रेष्ट पुरूस्कार से पुरूस्कृत हुई हैं। जिनके गायन की कार्यक्रम में पधारे उपमुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ला एवं महेन्द्र सिंह सिकरवार पुलिस महानिरीक्षीक रीवा जोन रीवा सहित संगीत प्रेमियों व गणमान्यजनो ने भूरि भूरि प्रशंसा की।

आपको बताते चलें कि जिले के वरिष्ठ समाजसेवी इंजी.आशीष

मिश्रा एवं सांई महाविद्यालय की संचालक रचना मिश्रा उत्तर करौंदिया सीधी की पुत्री अनुष्का मिश्रा ने घर परिवार सहित जिले का मान बढ़ाया है। रचना मिश्रा ने मीडिया से चर्चा के दौरान बताया कि राजकपूर ऑडिटोरियम रीवा में चार दिवसीय सुरताल महोत्सव का हुआ आयोजन किया गया। जिसमें विंध्य के बाल कलाकारों ने बढ़ चढ़ कर हिस्सेदारी निभाई एवं अपने उत्कृष्ट कला का प्रदर्शन कर सब का मन मोह लिया। 13 जून 24 को प्रथम दिवस बघेली लोक गीत प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, 14 जनू 24 को एकल नृत्य, 15 जून 24 को हिन्दी गीत प्रतियागिता एवं 16 जून 24 रविवार को पुरूस्कार वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। रचना ने आगे बताया कि प्रतिदिन सुबह सेमी फाइनल एवं शाम को फाइनल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

रचना मिश्रा ने बताया कि समापन अवसर पर राजकपूर ऑडिटोरियम में प्रतिभागियों की एसजीएमएच के पूर्व संचालक डा. सीबी शुक्ला, समाजसेवी कमलेश सचदेवा, प्रबोध व्यास, डीपी सिंह, प्राचार्य ओपी द्विवेदी, राजीव तिवारी, पवन शुक्ला एवं नारायण डिगवानी के हाथों पुरस्कार वितरित किया गया। जिसमें सीधी की बेटी अनुष्का मिश्रा को बघेली एकल में प्रथम पुरूस्कार से सम्मानित किया गया।

उन्नत खेती के लिए अच्छा और प्रामाणिक बीज अति आवश्यक, करें उपयोग: सांसद

मीडिया ऑडीटर, सीधी निप्र। लोकसभा संसदीय क्षेत्र के नवनिर्वाचित सांसद डॉ राजेश मिश्रा ने अपने व्यस्ततम समय में से कुछ समय निकालकर अपने कृषि कार्य हेतु शुक्रवार को उन्नत एवं प्रमाणिक बीज खरीद कर खेती के व्यवसाय को प्रोत्साहन किया। नवनिर्वाचित सांसद डॉ मिश्रा ने इस दौरान कहा कि मैं और मेरे पूर्वज अन्य कार्यों के साथ.साथ खेती का व्यवसाय भी करते हैं। मैं चिकित्सीय पेसे के साथ.साथ समाज जीवन के अनेक क्षेत्रों में काम करते हुए,

कुछ समय निकालकर खेती के लिए आवश्य देता हूं। खेती की समय पर जुताई, बुवाई, देखभाल और कटाई ठीक समय पर हो, इसे मैं निश्चित रूप से प्राथमिकता से करता हूं। आगामी खरीफ फसल के सीजन के लिए सभी किसान भाइयों को शुभकामनाएं देते हुए यह अपील करता हूं कि सभी किसान भाई प्रमाणित और उच्च कोटि का बीज अधिकृत दुकानों से ही खरीदें। जिससे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मंशा अनुसार खेती को फायदे का धंधा बनाया जा सके और किसान की आय दोगुनी हो सके। इसके पूर्व खाद बीज विक्रेता पुष्पराज मिश्रा ने सांसद डॉ राजेश मिश्रा का माल्यार्पण द्वारा स्वागत कर अभिनंदन किया।

इस अवसर पर प्रमुख रूप से जिला मीडिया प्रभारी सुरेंद्र मणि दुबे, आईटी के जिला संयोजक आशीष मिश्रा, श्रवण चौबे, मिश्रा बीज़ भण्डार संचालक पुष्पराज मिश्रा, किसान विपिन सिंह चौहान, अनिष्का सीड्स प्राण् लिमिटेड कंपनी प्रतिनिधि मनीष तिवारी और अनुज शुक्ला सहित अनेक लोग उपस्थित रहे।

महिला एवं बाल सुरक्षा हेतु तीन नये कानून पर वेबिनार का हुआ आयोजन

सीधी निप्र। सांसद द्वारा तीन नये आपराधिक कानून पारित किए गए हैं जिसमें भारतीय न्याय संहिता 2023, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 और भारतीय साक्ष्य अधिनियम के माध्यम से किये गये नागरिक परिवर्तन कार्य सुधार और विशेषकर महिलाओं व बच्चों पर सकारात्मक प्रभाव के बारे में जागरूक करने हेतु 21 जून को प्रात: 10.30 बजे वेविनार का आयोजन किया गया।

रेलयात्रियों की सुविधाओं एवं रेल विस्तार संबंधी रखी गई मांग: पुष्पराज सिंह

मीडिया ऑडीटर, सीधी निप्र। जबलपुर में डीआरएम विवेक शील की अध्यक्षता में पश्चिम मध्य रेल डीआरयूसीसी की बैठक आयोजित हुयी। जिसमें पुष्पराज सिंह चौहान द्वारा रेलयात्रियों की सुविधाओं एवं रेल विस्तार संबंधी मांग रखने के साथ ही ललितपुर रीवा से सिंगरौली रेल लाईन के संबंध में चर्चा कर निर्माण कार्य शीघ्र पूर्ण कराने एवं 11 नवम्बर 2019 से पूर्व अधिग्रहित भूमि के बदले रोजगार प्रदान करने के संबंध मे विस्तार से चर्चा की गई। साथ मे डीआरयूसीसी सदस्य सुधीर शुक्ल, शंकर साहनी सहित अन्य सदस्यगण उपस्थित रहे। पुष्पराज सिंह ने बैठक के दौरान कहा कि ललितपुर सिंगरौली रेल लाइन के सीधी स्टेशन का कार्य 3 वर्ष से बंद है उसे अतिशीघ्र कराना उचित होगा। सिंगरौली रेल लाइन में निर्माणाधीन सीधी स्टेशन ग्राम नौढ़िया प्रभावित क्षेत्र हैं। रेलवे लाइन के उत्तरी सीमा में मेडिकल कालेज स्वीकृत है तथा पुलिस कालोनी स्थित है जिसमें अण्डरब्रिज क्रॉसिंग की आवश्यकता है। ललितपुर.सिंगरौली रेल लाइन में रीवा से सीधी खण्ड का कार्य अतिशीघ्र कराया जाय ताकि सीधी के यात्रियों को रेल सुविधा का लाभ मिल सके। सिंगरौली से भोपाल एवं सिंगरौली से दिल्ली में चलने वाली रेलगाडी को नियमित रूप से संचालीत कराया जाय। ललितपुर. सिंगरौली नई रेल लाइन में प्रभावीत किसानों को भूमि के बदले रोजगार उपलब्ध कराया जाये। वहीं बैठक में उचित मांगो को जल्द ही पूरा करने का आश्वसन दिया गया है।

शारीरिक मानसिक एवं बौद्धिक विकास के लिए योग अभ्यास संजीवनी की तरह वरदान है: प्रभारी प्राचार्य प्रोफेसर

मीडिया ऑडीटर, नौगांव छतरपुर निप्र। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर शासकीय बापू महाविद्यालय नौगांव संस्था में योग शिविर का आयोजन किया गया इसमें संस्था की ओर से बुंदेलखंड के समाजसेवी राष्ट्रीय आदर्श शिक्षा रत्न की उपाधि से सम्मानित संतोष गंगेले कर्मयोगी अतिथि के रूप में आमंत्रित किए गए कार्यक्रम की अध्यक्षता संस्था के प्रभारी प्राचार्य प्रोफेसर हरदयाल अहिरवार जी द्वारा की गई कार्यक्रम का संचालन डॉक्टर रामकुमार आर्य द्वारा किया गया ।

योग शिवहर के शुभारंभ में भारत माता को याद करते हुए गायत्री मंत्र से शिविर का शुभारंभ हुआ इस कार्यक्रम में संस्था के प्रोफेसर कैलाश कुमार रजक पीयूष कैन डॉक्टर नेहा बस्ती अनिल कुमार प्रजापति डॉक्टर उर्मिला बाथम डॉक्टर प्रीति विश्वकर्मा प्रोफेसर भारतेंदु पटेरिया उमेश कुमार अहिरवार मीनाक्षी सिंह हीरालाल जाटव एवं अतिथि विद्वान डॉक्टर शंकर

लाल रिछारिया दो प्रतिमा तिवारी डॉक्टर पूनम तिवारी डॉक्टर मूलचंद राजपूत बृज किशोर रविदास डॉक्टर हेमंत कुमार यादव डॉक्टर प्रशांत कुमार अहिरवार डॉक्टर ज्योति मर्य दत्ता महेंद्र केवट राष्ट्रीय सेवा योजना एनसीसी कैडेट्स छात्राएं अनेक भूतपूर्व विद्यार्थी उपस्थित हुए ।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि समाजसेवी वरिष्ठ पत्रकार संतोष गंगेले कर्मयोगी ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय योग दिवस 2014 से शुरू हुआ 10 साल बीत गए योग से करोड़ों लोग ठीक हो गए। आप भी निरोगी बने रहने के लिए प्रतिदिन 5 से 10 मिनट जरूर कुछ ना कुछ योग करें।

रसना वासना पर नियंत्रण रखें यानी संयम से चलें जिस प्रकार से किसी पौधा का रोपण किया जाता है उसकी देखरेख सुरक्षा करना जरूरी है इसलिए पारिवारिक जीवन का कर्तव्य निभाएं और संयम से जीवन बताएं किसी को लेकर के अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर।

शासकीय बापू महाविद्यालय नौगांव में मुझे मुख्य रूप से अपने विचार रखने का अतिथि के रूप में अवसर मिला उसका में संस्था परिवार का धन्यवाद देता हूं और 4 मिनट का वीडियो आप देखेंगे मैं अपने जीवन की घटनाएं जीवन की सच्चाई जनमानस के बीच रखें मंदिर मन को सुंदर स्वच्छ बनता है।

प्रोफेसर हरदयाल अहिरवार जी ने अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर भारत की उपलब्धियां पर चर्चा करते हुए मध्य प्रदेश शासन की शिक्षा नीतियों पर प्रकाश डालते हुए विद्यार्थियों को स्वस्थ सुंदर रहकर समाज राष्ट्र की सेवा करने के लिए योग सेवा के अवसर पर उनके आत्मविश्वास को जगाया और उन्हें समाज और राष्ट्र की सेवा करने के लिए आवाहन किया ।

डॉ रामकुमार आर्य ने संपूर्ण कार्यक्रम को सुंदर तरीके से संचालक करते हुए योग की क्रियाएं योग की सफलता पर प्रकाश डाला कार्यक्रम का आभार प्रदर्शन करते हुए डॉ हेमंत यादव ने सभी के प्रति आभार व्यक्त किया प्रोफेसर कैलाश कुमार रजक ने इस कार्यक्रम की सफलता के लिए और आयोजन के लिए संस्था की ओर से सभी का अभिनंदन किया।

शासकीय पॉलिटेक्निक महाविद्यालय में योग शिविर का आयोजन: नौगांव शासकीय पॉलीटेक्निक महाविद्यालय में एनसीसी प्रभारी एवं व्याख्याता डी आर अहिरवार जी ने अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर विशेष शिविर का आयोजन किया एवं कार्यक्रम में संस्था के सभी कर्मचारी उपस्थित रहे । इस अवसर पर उन्होंने अपने विचार रखते हुए कहा कि शासन के आदेश अनुसार एवं कमांडिंग ऑफिसर 25 मध्य प्रदेश बटालियन छतरपुर के निर्देश अनुसार नौगांव पॉलिटेक्निक महाविद्यालय नौगांव में आज 21 जून 2024 को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस मनाया गया योग दिवस के अवसर पर संस्था प्राचार्य एम के अग्रवाल, बी एन सक्सेना, आर के गोस्वामी, शैलेश गुप्ता, सूरज पाठक, ऋतुराज कठेल, डी के सारोठिया, संतोष कुरील, हरगोविंद सिंह चंदेल, धीरेंद्र सेन, राजीव शर्मा, राघवेन्द्र सक्सेना, श्यामलाल विश्वकर्मा, बिंदा रैकवार, छोटेलाल उपस्थित रहे योग दिवस का कार्यक्रम कैप्टन डी आर अहिरवार एनसीसी ऑफीसर के मार्गदर्शन में संपन्न किया गया एवम कार्यक्रम का संचालन, ऋतुराज कठेल ने किया योग अभ्यास अंडर ऑफिसर अंडर ऑफिसर प्रकाश विश्वकर्मा अंडर ऑफिसर रोहित कुमार लोधी के द्वारा करवाया गया एवं संस्था के एनसीसी कैडेट एवं छात्राएं उपस्थित रहे ।

गुमसुदा को दस्तयाव कर परिजनो के चेहरे में मड़वास पुलिस लाई मुस्कान

सीधी निप्र। पुलिस अधीक्षक डॉ. रविन्द्र वर्मा के निर्देशन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अरविन्द्र श्रीवास्तव के द्वारा चालये जा रहे मुस्कान अभियान में थाना प्रभारी मझौली दीपक बघेल के मार्गदर्शन में अपहृता बालिका को दस्तयाव कर परिजनो के चेहरे में लाई खुशी की लहर। बताया गया कि गुम इन्सान क्रमांक 44/24 की फरियादिया शांती कुशवाहा पति रामकृपाल कुशवाहा उम्र 45 धनसेर के द्वारा रिपोर्ट किया कि मेरा पति रामकृपाल कुशवाहा पिता वंशरूप कुशवाहा उम्र 49 साल धनसेर का 23मार्च 24 के करीवन 7 बजे सुबह घर में बिना बताये कही चला गया है की रिपोर्ट पर गुम इन्सान सदर कायम कर जांच पतातलाश में लिया गया दौरान जांच पता तलाश दिनांक 21.06.24 को गुमसुदा रामकृपाल कुशवाहा को दस्तयाव कर उसके परिजनो को सुपुर्दगी में दिया गया है।

विचार

तन के साथ मन को भी स्वस्थ रखता है योग

प्रतिवर्ष 21 जून को दुनियाभर के 170 से भी ज्यादा देश अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के रूप में मनाते हैं और योग को अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाने का संकल्प लेते हैं। संयुक्त राष्ट्र ने संयुक्त राष्ट्र महासभा के 69वें सत्र में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा रखे गए प्रस्ताव के जवाब में 11 दिसंबर 2014 को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की स्थापना की थी और वैश्विक स्तर पर पहला अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 21 जून 2015 को मनाया गया था। इस वर्ष पूरी दुनिया 'स्वयं और समाज के लिए योग' थीम के साथ 10वां अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मना रही है। प्रतिवर्ष यह दिवस मनाने का उद्देश्य योग को एक ऐसे आंदोलन के रूप में बढ़ावा देना है, जो व्यक्ति की तन्यकता को उन्नत करता है और समाज के प्रत्येक व्यक्ति के लिए कल्याण को बढ़ावा देता है। वैसे तो योग को विश्व स्तर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सतत प्रयासों के चलते वर्ष 2015 में अपनाया गया था किंतु भारत में योग का इतिहास सदियों पुराना है। माना जाता रहा है कि पृथ्वी पर सभ्यता की शुरुआत से ही योग किया जा रहा है लेकिन साक्ष्यों की बात करें तो योग करीब पांच हजार वर्ष पुरानी भारतीय परंपरा है। करीब 2700 ईसा पूर्व वैदिक काल में और उसके बाद पतंजलि काल तक योग की मौजूदगी के ऐतिहासिक प्रमाण मिलते हैं। महर्षि पतंजलि ने अभ्यास तथा वैराग्य द्वारा मन की वृत्तियों पर नियंत्रण करने को ही योग बताया था। हिंदू धर्म शास्त्रों में भी योग का व्यापक उल्लेख मिलता है। विष्णु पुराण में कहा गया है कि जीवात्मा तथा परमात्मा का पूर्णतया मिलन ही अद्वेतानुभूति योग कहलाता है। इसी प्रकार भगवद्गीता बोध में वर्णित है कि दु:ख-सुख, पाप-पुण्य, शत्रु-मित्र, शीत-उष्ण आदि द्वंदों से अतीतय मुक्त होकर सर्वत्र समभाव से व्यवहार करना ही योग है। भारत में योग को निरोगी रहने की करीब पांच हजार वर्ष पुरानी मानसिक, शारीरिक और आध्यात्मिक पद्धति के रूप में मान्यता प्राप्त है, जो भारतीयों की जीवनचर्या का अहम हिस्सा है। सही मायनों में योग भारत के पास प्रकृति प्रदत्त ऐसी अमूल्य धरोहर है, जिसका भारत सदियों से शारीरिक और मानसिक लाभ उठाता रहा है, लेकिन कालांतर में इस दुर्लभ धरोहर की अनदेखी का ही नतीजा है कि लोग तरह-तरह की बीमारियों के मकड़जाल में जकड़ते गए। वैसे तो स्वामी विवेकानंद ने भी अपने शिकागो सम्मेलन के भाषण में सम्पूर्ण विश्व को योग का संदेश दिया था लेकिन कुछ वर्षों पूर्व योग गुरु स्वामी रामदेव द्वारा योग विद्या को घर-घर तक पहुंचाने के बाद ही इसका व्यापक प्रचार-प्रसार संभव हो सका और आमजन योग की ओर आकर्षित होते गए। देखते ही देखते कई देशों में लोगों ने इसे अपनाना शुरू किया। आज की भागदौड़ भरी जीवनशैली में योग का महत्व कई गुना बढ़ गया है। योग न केवल कई गंभीर बीमारियों से छुटकारा दिलाने में मददगार साबित होता है बल्कि मानसिक तनाव को खत्म कर आत्मिक शांति भी प्रदान करता है। दरअसल यह एक ऐसी साधना, ऐसी दवा है, जो बिना किसी लागत के शारीरिक एवं मानसिक बीमारियों का इलाज करने में सक्षम है। यह मस्तिष्क की सक्रियता बढ़ाकर दिनभर शरीर को ऊर्जावान बनाए रखता है। यही कारण है कि अब युवा एरोबिक्स व जिम छोड़कर योग अपनाने लगे हैं। माना गया है कि योग तथा प्राणायाम से जीवनभर दवाओं से भी ठीक न होने मधुमेह रोग का भी इलाज संभव है। यह वजन घटाने में भी सहायक माना गया है। योग की इन्हीं महत्ताओं को देखते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 27 सितम्बर 2014 को संयुक्त राष्ट्र महासभा से आह्वान किया था कि दुनियाभर में प्रतिवर्ष योग दिवस मनाया जाए ताकि प्रकृति प्रदत्त भारत की इस अमूल्य पद्धति का लाभ पूरी दुनिया उठा सके। यह भारत के बेहद गर्व भरी उपलब्धि रही कि संयुक्त राष्ट्र महासभा में प्रधानमंत्री के इस प्रस्ताव के महज तीन माह के भीतर 177 देशों ने अंतरराष्ट्रीय योग दिवस मनाए जाने के प्रस्ताव पर स्वीकृति की मोहर लगा दी, जिसके उपरांत संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा 11 दिसम्बर 2014 को घोषणा कर दी गई कि प्रतिवर्ष 21 जून का दिन दुनियाभर में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के रूप में मनाया जाएगा।

सनातन हिंदू संस्कृति का पूरे विश्व में फैलना आज विश्व शांति के लिए आवश्यक है

प्रह्लाद सबनानी

यूरोप में हाल ही में सम्पन्न हुए चुनावों में दक्षिणपंथी कहे जाने वाले दलों की राजनैतिक ताकत बढ़ी है। हालांकि सत्ता अभी भी वामपंथी एवं मध्यमार्गीय नीतियों का पालन करने वाले दलों की ही बने रहने की सम्भावना है परंतु विशेष रूप से फ्रांस एवं जर्मनी में इन दलों को भारी नुक्सान हुआ है। इटली की देशप्रेम से ओतप्रोत दल की मुखिया जोरजीया मेलोनी को अच्छी सफलता हासिल हुई है। कुल मिलाकर यूरोपीय देशों के नागरिकों में देशप्रेम का भाव धीमे धीमे लौट रहा है एवं वे अब अपने अपने देश में अवैध रूप से रह रहे प्रवासियों का विरोध करने लगे हैं। विशेष रूप से यूरोप के आस पास के मुस्लिम बहुल देशों से भारी संख्या में मुस्लिम नागरिक अवैध रूप से इन देशों में शरण लिए हुए हैं एवं अब वे इन देशों की कानून व्यवस्था के लिए एक बहुत बड़ी समस्या बन गए हैं।

जर्मनी एवं फ्रान्स ने मुस्लिम नागरिकों को मानवीय आधार पर अपने देश में बसाने में शिथिल नीतियों का पालन किया था और अब ये दोनों देश इस संदर्भ में विभिन्न समस्याओं का सबसे अधिक सामना कर रहे हैं। आज जब कई मुस्लिम देश शिया एवं सुन्नी सम्प्रदाय के नाम पर आपस में ही लड़ रहे हैं तो उनका ईसाई पंथ को मानने वाले नागरिकों के साथ सामंजस्य किस प्रकार रह सकता है, अत: यूरोपीयन देशों के नागरिकों को अब अपने किए पर पश्तावा होने लगा है। ब्रिटेन में भी आज मुस्लिम समाज की आबादी बहुत बढ़ गई है एवं यहां का ईसाई समाज अपने आप को असुरक्षित महसूस करने लगा है क्योंकि मुस्लिम समाज द्वारा ईसाई समाज पर कई प्रकार के आक्रमण किया जाना आम बात हो गई है। ब्रिटेन के कई शहरों में तो मेयर आदि जैसे उच्च प्रशासनिक अधिकारियों के पदों पर भी मुस्लिम समाज के नागरिक ही चुने गए है अत: इन नगरों में सत्ता की चाबी ही अब मुस्लिम समाज के नागरिकों के हाथों में है, जिसे ईसाई समाज के नागरिक बर्दाश्त नहीं कर पा रहे हैं। इसी प्रकार, इजराईल (यहूदी समुदाय) एवं हम्मास (मुस्लिम समुदाय) के बीच युद्ध लम्बे समय से चल रहा है। ईरान (शिया समुदाय) - सऊदी अरब (सुन्नी समुदाय) के आपस में रिश्ते अच्छे नहीं है। पाकिस्तान में तो अहमदिया समुदाय एवं बोहरा समुदाय को मुस्लिम ही नहीं माना जाता है एवं इनको गैर मुस्लिम मानकर इन पर सुन्नी समुदाय द्वारा खुलकर अत्याचार किए जाते हैं। कुल मिलाकर, मुस्लिम समाज न केवल अन्य समाज के नागरिकों (यहूदी, ईसाई, हिंदू आदि) के साथ लड़ता आया है बल्कि इस्लाम के विभिन्न फिर्कों के बीच भी इनकी आपसी लड़ाई होती रही है। इसके ठीक विपरीत, सनातन हिंदू संस्कृति का अनुपालन करते हुए कई भारतीय मूल के नागरिक भी अन्य देशों में रह रहे हैं एवं लम्बे समय से स्थानीय स्तर पर ईसाई समाज एवं अन्य धर्मों के अनुयायियों के साथ मिल जुलकर रहते आए हैं। इन देशों में भारतीय मूल के नागरिकों एवं स्थानीय स्तर पर अन्य धर्मों के अनुयायियों के बीच कभी भी बड़े स्तर पर आक्रोश उत्पन्न होता दिखाई नहीं दिया है, क्योंकि सनातन हिंदू संस्कृति में वसुधैव कुटुम्बकम एवं सर्वे भवंतु सुखिनः का भाव हिंदू नागरिकों में बचपन से ही भरा जाता है। इसी प्रकार के भाव का संचार राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ भी पिछले 99 वर्षों से अपने स्वयंसेवकों में जगाता आया है। संघ चाहता है कि संसार में सद्गुणों का बोलबाला हो। 27 सितम्बर 1933 को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के संस्थापक पूजनीय डॉक्टर केशव बलिराम हेडगेवार, शस्त्र पूजा समारोह में अपने उदबोधन में कहते हैं कि संघ एक हिंदू संगठन है। संसार के सभी धर्मों में हिंदू धर्म ही एकमात्र ऐसा धर्म है, जिसका मुख्य गुण सद्गुण है और जो %आत्मवत् भूतेषु% (सभी प्राणियों में अपने को देखना) की भावना से सभी जीवों के साथ प्रेमपूर्वक व्यवहार करना सिखाता है। यह धर्म संसार में व्याप्त हिंसा और अन्याय को स्वीकार नहीं करता। इसलिए स्वाभाविक है कि प्रत्येक हिंदू ऐसी घटनाओं पर अंकुश लगाना चाहता है। लेकिन केवल उपदेश देने से संसार का स्वभाव नहीं बदलेगा। जब संसार को लगेगा कि हिंदू समाज सुसंगठित और सशक्त हो गया है, तो हमारे प्रति जो अनादर का भाव सर्वत्र दिखाई देता है, वह समाप्त हो जाएगा और संसार हमारी बात सुनेगा। हिंदू धर्म अनादि काल से यही करता आ रहा है और ऐसे पवित्र धर्म और संस्कृति की रक्षा के लिए ही संघ की शुरुआत हुई है। आजकल हिंदू समाज बहुत अव्यवस्थित हो गया है। संघ का एकमात्र उद्देश्य हिंदू समाज को इस तरह संगठित करना है कि हिंदू, हिंदुस्तान में गर्वित हिंदू के रूप में खड़े हो सकें और दुनिया को यह विश्वास दिला सकें कि हिंदू कोई ऐसी जाति नहीं है जो मरणासन्न अवस्था में हो। संघ चाहता है कि संसार में सद्गुणों का बोलबाला हो। संघ का लक्ष्य मानव जाति में व्याप्त राक्षसी प्रवृत्ति को दूर करना और उसे मानवता सिखाना है। संघ का गठन किसी से घृणा करने या उसे नष्ट करने के लिए नहीं हुआ है। हाल ही में जारी की गई प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद की रिपोर्ट में 'धार्मिक अल्पसंख्यकों की हिस्सेदारी का देशभर में विश्लेषण' नामक विषय के माध्यम से बताया गया है कि बहुसंख्यक हिंदुओं की आबादी 1950 और 2015 के बीच 7.82त्न घट गई है। जबकि मुस्लिमों की आबादी में 43.15त्न की वृद्धि हुई है। मुस्लिमों की 1950 में 9.84त्न रही आबादी 14.09त्न पर पहुंच गई है। ईसाई धर्म के लोगों की आबादी की हिस्सेदारी 2.24त्न से बढ़कर 2.36त्न हुई है। ठीक ऐसे ही सिख समुदाय की आबादी 1.24त्न से बढ़कर 1.85त्न हो गई है। भारत में सद्गुणों से ओतप्रोत हिंदू नागरिकों की जनसंख्या यदि इस प्रकार घटती रही तो यह भारत के साथ पूरे विश्व के लिए भी अच्छा संकेत नहीं है क्योंकि अल्पसंख्यक के नाम पर मुस्लिम आबादी (जो कि अपने धर्म के प्रति एक कट्टर कौम मानी जाती है तथा अन्य धर्मों के लोगों के प्रति बिलकुल सहशुण नहीं है और वक्त आने पर अन्य समाज के नागरिकों का कत्लेआम करने में भी हिचकिचाते नहीं है) में बेतहाशा वृद्धि होना, पूरे विश्व के लिए एक अच्छा संकेत नहीं माना जा सकता है। यह बात ध्यान रखने वाली है कि ईरान कभी आर्यों का अर्थात पारसियों का देश था। इराक, सऊदी अरब ,पश्चिम एशिया के समस्त मुस्लिम देश 1400 वर्ष पूर्व भारतीय संस्कृति और सभ्यता को मानने वाले देश थे। तलवार के बल पर 57 देश इस्लाम को स्वीकार कर चुके हैं इनमें से कोई भी ऐसा देश नहीं है जो 1400 वर्ष पहले से अर्थात सनातन की भांति सृष्टि के प्रारंभ से मुस्लिम देश था। 1398 ईसवी में ईरान भारत से अलग हुआ, 1739 में नादिरशाह ने अफगानिस्तान को अपने लिए एक अलग रियासत के रूप में प्राप्त कर लिया, बाद में 1876 में यह एक स्वतंत्र देश के रूप में अस्तित्व में आ गया,1937 में म्यांमार बर्मा अलग हुआ, 1911 में श्रीलंका अलग हुआ और 1904 में नेपाल अलग हुआ। सांप्रदायिक आधार पर देश विभाजन का यह सिलसिला यहीं नहीं रुका इसके पश्चात 1947 में पश्चिमी एवं पूर्वी पाकिस्तान देश बना। पूर्वी पाकिस्तान आज बांग्लादेश के रूप में मानचित्र पर उपलब्ध है। आज एक बार पुन: भारत के भीतर जहां-जहां इस्लाम को मानने वाले लोगों की संख्या बहुलता को प्राप्त हो गई है, वहां वहां पर अनेक प्रकार की सामाजिक विसंगतियां, दमन और शोषण के नए-नए स्वरूप देखे जा रहे हैं। केरल, कश्मीर, पूर्वोत्तर भारत, बंगाल जहां जहां उनकी संख्या बहुलता में है, वहां - वहां दूसरे धर्म और जाति के लोग परेशान हैं। उपस्थित तथ्यों से सत्य को समझना चाहिए। इन आंकड़ों के आलोक में हमें समझना चाहिए कि हमारी बहू, बेटियां, महिलाओं की इज्जत कब तक सुरक्षित रह सकती है? निश्चित रूप से तब तक जब तक कि भारतवर्ष सनातनी हिंदुओं के हाथ में है। हमें इतिहास से शिक्षा लेनी चाहिए कि अब हम सांप्रदायिक आधार पर देश का पुन: विभाजन नहीं होने दें। नोवाखाली जैसे नरसंहारों की पुनरावृत्ति अब हमारे देश में नहीं होनी चाहिए। भारत-पाकिस्तान के विभाजन के समय जिस प्रकार लाखों करोड़ों लोगों को घर से बेघर होना पड़ा था, उस इतिहास को अब दोहराया नहीं जाना चाहिए। भारत में आंतरिक स्थिति ठीक नजर नहीं आती है परंतु विश्व के कई अन्य देशों में सनातन संस्कृति को तेजी से अपनाया जा रहा है, तभी तो कहा जा रहा है कि विश्व में आज कई समस्याओं का हल केवल हिंदू सनातन संस्कृति को अपना कर ही निकाला जा सकता है।

आखिर जब परीक्षा में धांधली हो ही रही तो फिर नेशनल टेस्टिंग एजेंसी की जरूरत क्या है?

कमलेश पांडे

परीक्षा में धांधली कोई नई बात नहीं है, लेकिन आये दिन इसका बदलता स्वरूप उन मेधावी, मेहनती व गरीब छात्रों के लिए चिंता का सबब बन चुका है जिनका सियासत और प्रशासन में कोई %गॉड फादर% नहीं होता, जो उन्हें घर बैठे सब कुछ सुलभ करवाता रहे! इसलिए जब भी कोई पेपर लीक होता है और परीक्षा रद्द हो जाती है तो सबसे ज्यादा आर्थिक मार इन्हीं कमजोर छात्रों पर पड़ती है। वहीं सर्वाधिक मानसिक पीड़ा ऐसे ही छात्रों को भुगतनी पड़ती है, क्योंकि इस पूरे घटनाक्रम से इनके ही सुनहरे सपने प्रभावित होते हैं। अब देखिए न, नीट-यूजी में गड़बड़ी का मामला अभी निपटा भी नहीं है कि यूजीसी नेट परीक्षा में धांधली का एक और नया मामला प्रकाश में आया है। इसके बाद आनन-फानन में शिक्षा मंत्रालय ने यूजीसी की पवित्रता बचाने के लिए पूरी परीक्षा ही रद्द कर दी है। साथ ही बताया गया है कि जल्द ही नई तारीख का ऐलान किया जाएगा। यही नहीं, परीक्षा में गड़बड़ी की जांच सीबीआई को सौंप दी गई है। ऐसे में यह सवाल उठना लाजिमी है कि आखिर जब परीक्षा में धांधली हो ही रही है, तो फिर नेशनल टेस्टिंग एजेंसी के गठन का औचित्य क्या है? खास बात यह है कि यूजीसी-नेट की यह परीक्षा एक रोज पूर्व यानी 18 जून को ही देश भर में आयोजित की गई थी। तब परीक्षा आयोजित कराने वाली संस्था नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) ने इसके सफलता पूर्वक संपन्न होने का दावा किया था। हालांकि, शिक्षा मंत्रालय ने यूजीसी-नेट को रद्द करने का यह फैसला गृह मंत्रालय से मिले उस इनपुट के आधार पर लिया है, जिसमें पेपर लीक होने समेत बड़े स्तर पर गड़बड़ी की सूचना मिली थी। बताया जाता है कि गृह मंत्रालय को भी परीक्षा में गड़बड़ी की यह सूचना साइबर क्राइम यूनिट से मिली थी। इसलिए प्राथमिक स्तर पर गड़बड़ी प्रमाणित होने के बाद ही यह पूरा फैसला लिया गया है। वहीं, मंत्रालय का यह भी कहना है कि परीक्षा में गड़बड़ी की शिकायतें विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) को भी मिली थी। जबकि गृह मंत्रालय को भी परीक्षा में गड़बड़ी की यह सूचना साइबर क्राइम यूनिट से मिली थी। उल्लेखनीय है कि यूजीसी-नेट का जिम्मा भी नीट-यूजी परीक्षा आयोजित कराने वाली एनटीए के पास ही था। यूजीसी नेट 18 जून

को देशभर के 317 शहरों में 1205 परीक्षा केंद्रों पर आयोजित कराया गया था, जिसमें 11 लाख से अधिक छात्रों ने हिस्सा लिया था। ऐसे में सुलगता हुआ सवाल है कि आखिर में जिस हेराफेरी से बचने के लिए केंद्र में सत्तारूढ़ मोदी सरकार द्वारा नेशनल टेस्टिंग एजेंसी बनाई गई, जब वह जारी ही है तो फिर इसकी जरूरत क्या है? क्योंकि नीट-यूजी पेपर लीक प्रकरण पर यदि गौर किया जाए तो प्रथमदृष्टया यही प्रतीत होता है कि नेताओं और अधिकारियों का कोई गुप्त गठजोड़ काम कर रहा है, जिनका मकसद प्रतिभाओं का गलाघोंट कर अपने संपर्क में आने वाले छात्रों को मोटी रकम ले-देकर उपकृत करना है। इस प्रकरण में बिहार के पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव के एक निजी सचिव और उसके सम्पर्क में रहने वाले एक सरकारी अभियंता का नाम जिस तरह से उछला है, उससे पूरे प्रकरण की गम्भीरता को समझा जा सकता है। चाहे बिहार हो या उत्तरप्रदेश, मध्यप्रदेश हो या राजस्थान, या फिर इनसे कटकर अलग हुए छोटे-छोटे राज्य, परीक्षाओं में गड़बड़ियां आम बात बन चुकी हैं। वहीं, आंकड़े बताते हैं कि इन परीक्षा धांधली से जुड़े अधिकांश प्रकरणों में जिम्मेदार अधिकारियों-कर्मचारियों के खिलाफ अमूमन कोई कड़ी नजीरी कार्रवाई अबतक नहीं की गई है और न ही उसके लिए कभी कोई कड़े नियम कानून बनाये गए हैं, जिसके चलते ऐसे घाघ लोग प्राय: बच निकलते हैं। इसलिए यह राष्ट्रीय विमर्श का विषय है कि जब अयोग्य छात्र जुगाड़ तंत्र के सहारे अच्छे और तकनीकी ओहदे तक पहुंच जाएंगे तो फिर वह क्या करेंगे, अनुमान लगाना कठिन नहीं है। कहीं बहते नवनिर्मित पुल तो कहीं इलाज के दौरान मरता आदमी, इसी बात की तो चुगली करता आया है। आप चाहे जिस भी क्षेत्र में चले जाएं, आरक्षण से नौकरी पाने वाली जमात की अकर्मण्यता की चर्चा वहां खुलकर देखने-सुनने को मिल जाएगी। उसी तरह से आरक्षण के दुष्प्रभाव को कम करने के लिए प्रोत्साहित किये जा रहे निजीकरण के नाम पर भी तमाम उलटबांसी करते लोग मिल जाएंगे, जिनकी करतूतों से यह संवैधानिक तंत्र कराहने लगा है! बताया जाता है कि इस देश में सामाजिक न्याय के नाम पर अव्वल प्रतिभाओं के साथ जो सुनियोजित अन्याय हुआ, उससे न केवल ब्रेन ड्रेन के मामले बढ़े, बल्कि अमेरिका, रूस, चीन, इंग्लैंड, फ्रांस, जापान आदि ने इन्हीं प्रतिभाओं का सदुपयोग करके वैश्विक दुनियादारी में अपनी अव्वल जगह बना ली और भारत निरंतर पिछड़ता चला गया। यह ठीक है कि मोदी सरकार ने इस स्थिति को बदलने के लिए एक हद तक जद्दोजहद की, लेकिन फलसफा यह निकला कि महज 10 साल में ही सियासी और संवैधानिक बेड़ियों ने उसे भी जकड़ लिया और लगातार दो बार मिले पूर्ण बहुमत की जगह अब यह सरकार भी अल्पमत में आकर गठबंधन सरकार चलाने के लिए अभिशप्त कर दी गई। सवाल है कि जब पूरी शिक्षा व्यवस्था काफी महंगी और आम आदमी की पहुंच के बाहर हो चली है, तब शिक्षा पात्रता परीक्षा में धांधली और पक्षपात के बीच आम आदमी के घर से निकला प्रतिभाशाली छात्र आखिर किधर जाएगा।यदि ऐसा सुनियोजित भ्रष्टाचार आम छात्रों को कतिपय महत्वपूर्ण अवसरों से दूर कर देगा तो फिर वो आगे क्या करेंगे, अनुमान लगाना कठिन नहीं है। उसी तरह से सरकारी नौकरियों की प्राप्ति में हो रही धांधली और निजी क्षेत्र में नौकरी की उटपटांग व्यवस्था व सेवा शर्तों के बीच पीस रहे आम नौनिहालों के भविष्य के बारे में यदि हम-आप नहीं सोचेंगे, तो सोचेगा कौन? यक्ष प्रश्न है। इसलिए सरकार और प्रशासन का यह दायित्व है कि वह शिक्षा प्राप्ति से लेकर नौकरी प्राप्ति तक, या फिर कारोबारी दरवाजे खुलने तक पूरे देश में एक समान शिक्षा व परीक्षा प्रणाली लागू करे, जो पारदर्शी और भेदभाव रहित हो। इसकी सफलता से न केवल राष्ट्रीय एकता की भावना मजबूत होगी, बल्कि देश भी विभिन्न अंतर्राष्ट्रीय मानकों पर मजबूत होगा। वहीं, शिक्षा, शैक्षणिक पात्रता परीक्षा व नौकरी पात्रता परीक्षा को केंद्रीकृत किये जाने के बजाय उन्हें विकेंद्रीकृत किया जाए, ताकि पूरे देश के लोग समान रूप से उससे लाभान्वित हो सकें।

कर्मों की कुशलता ही योग : रेणुका सिंह

शरीर, आत्मा और मस्तिष्क का सार्वभौमिक चेतना से जुड़ना ही योग है

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी निप्र। जिले में 10 वां अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस का आयोजन स्वामी आत्मानंद स्कूल प्रांगण मनेंद्रगढ़ में समाज कल्याण विभाग एवं जिला प्रशासन के द्वारा किया गया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि पूर्व केंद्रीय राज्यमंत्री व माननीय विधायक रेणुका सिंह ने जिलेवासियों के साथ योग किया। दसवें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर मुख्य अतिथि भरतपुर-सोनहत विधायक सिंह ने सामूहिक योग कार्यक्रम में बच्चों, युवाओं सभी लोगों का उत्साहपूर्वक विभिन्न प्रकार के आसनों का अभ्यास एवं प्राणायाम कर नियमित योग के लिए प्रेरित करते हुए सभी को स्वस्थ रहने का संदेश दिया। इस वर्ष ''महिला सशक्तिकरण के लिए योग'' की थीम पर सभी लोगों ने उत्साह एवं नई ऊर्जा के साथ योग किया। इस अवसर पर विधायक सिंह ने सभी योग प्रशिक्षकों विश्वजीत पटेल, विनिता अग्रवाल, विवेक तिवारी, संजय सेन तथा भाजपा जिला अध्यक्ष अनिल केशरवानी, पूर्व भाजपा जिला अध्यक्ष लखन श्रीवास्तव, पूर्व नगर पालिका उपाध्यक्ष सुरेश श्रीवास्तव, नगर पंचायत नई लेदरी अध्यक्ष सरोज यादव, रामचरित द्विवेदी, राहुल सिंह, सुरेश सोनी समेत

जनप्रतिनिधियों के साथ ही प्रदेशवासियों के जिलेवासियों को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की बधाई एवं शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि प्रतिदिन योग करना चाहिए, योग के फायदे की वजह से इसे अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के रूप में पहचान मिली है। योग हमारे देश की प्राचीन विज्ञान है। भारत भूमि हमेशा ऋषि मुनियों की योग भूमि रही है। हम अपने शास्त्रों, वेद और पुराणों में योग का उल्लेख पाते हैं। योग को सही मायने में सारी सीमाओं से ऊपर उठाकर अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर ले जाने का काम हमारे यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने किया है।

सिंह ने योग दिवस पर प्रकाश डालते हुए कहा कि 11 दिसम्बर 2014 को अमेरिका में स्थित संयुक्त राष्ट्र महासभा में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के प्रस्ताव को मंजूरी मिलने के बाद सर्वप्रथम इसे 21 जून 2015 को पूरे विश्व में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस (इंटरनेशनल डे ऑफ योगा) के नाम से मनाया गया। तब से प्रत्येक वर्ष हम योगा दिवस मनाते आ रहे हैं। योग: कर्मसु कौशलम् अर्थात् योग से आती है हमारे कर्मों में कुशलता और हम बन जाते हैं आत्मनिर्भर। योग न केवल हमारा स्वाभिमान बढ़ाता है बल्कि उपयोगी व आत्मनिर्भर बनाकर हमें स्वावलंबन की सनातन परंपरा से भी जोड़ता है। तभी तो कहा गया है कि योग कर्मसु कौशलम् अर्थात कर्मों की कुशलता ही योग है।

वास्तव में योग जब जीवन में उतरता है तो जीव पर सुख-दुख अपना नकारात्मक प्रभाव नहीं डाल पाते। इसलिए कहा गया है कि योग करने का नहीं, बल्कि जीने का नाम है। हमारे ऋषियों ने जीवन को धैर्य और संयम युक्त बनाने के लिए योग को प्रमुख माध्यम बनाया था। वर्तमान समय में संपूर्ण मानवता की रक्षा के लिये धैर्य, संयम और करुणा जैसे दिव्य आभूषणों की ही आवश्यकता है, जो केवल योगमय जीवन पद्धति में निहित हैं। शरीर, मन व भावनाओं को संतुलित करता है। योग का तात्पर्य जोडना व एकीकरण है। आध्यात्मिक दृष्टि से देखें तो आत्मा का सार्वभौमिक चेतना से मिलन, आत्मा का परमात्मा से मिलन और व्यावहारिक दृष्टि से देखें तो योग शरीर, मन व भावनाओं को संतुलित व समरेखीय बनाने का एक सर्वश्रेष्ठ माध्यम है। योग अंतर्मुखी और बहिर्मुखी, दोनों ही स्थितियों में संतुलन स्थापित करता है। शरीर, आत्मा और मस्तिष्क का सार्वभौमिक चेतना से जुडना ही योग है, जो हमें शिक्षा देता है और इसी में संपूर्ण मानवता की सुरक्षा निहित है। योग को आत्मसात कर ही हम प्रकृतिमय जीवन जी सकते हैं। योग असीम ऊर्जा और उत्साह का संचार कर हमारी व्यवहारकुशलता व कार्यक्षमता को बढ़ाता है। इसीलिए गीता में भगवान श्रीकृष्ण कहते हैं, योग: कर्मसु कौशल योग शिक्षकों ने प्रार्थना, ताड़ासन, वृक्षासन, पादहस्तासन, अर्धचक्रासन, भ्रदासन, वज्रासन, सेतु बंध आसन, योग निद्रासन, मकरासन जैसे अन्य योग भ्रामरी प्राणायाम एवं ध्यान का अभ्यास कराया। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण का केन्द्र अर्पिदा दत्ता तथा 9 वर्ष की दिव्यांग वर्षा मिश्रा रहीं। इन दोनों बच्चियों ने योगासन के विभिन्न आसन कर सबको उत्साहित कर दिया। बिलासपुर की अर्पिता दत्ता राज्यपाल के हाथों योगा गोल्ड मेडल से सम्मानित हैं। इन्होंने प्रतिभागियों के साथ प्रारंभ से अंत तक सभी आसनों को बड़ी ही सहजता एवं सरलता से किया। कार्यक्रम की समाप्ति पश्चात् सभी प्रतिभागियों को स्वल्पाहार प्रदान किया गया। कार्यक्रम का संचालन संजय श्रीवास्तव व जिला शिक्षा अधिकारी अजय मिश्रा ने आभार व्यक्त करकर कार्यक्रम समाप्ति की घोषण की।

के.बी.पटेल महाविद्यालय मे अंतराष्ट्रीय योग दिवस मानाया गया

मीडिया ऑडीटर, चिरमिरी निप्र। के.बी पटेल महाविद्यालय मे अंतराष्ट्रीय योग दिवस मनाया गया योग दिवस मानने हेतु महाविद्यालय मे योग गुरु जो छ.ग. योग आयोग के जिला प्रभारी के रूप मे अरुण वर्मा एवं उनके सहयोगी के रूप मे अमृता वर्मा, प्रत्यूस, एवं अनुराग की गरिमामय उपस्थित रही, योग गुरु द्वारा सभी विद्यार्थियों, शिक्षक कर्मचारियों को योग के आसन सिखाये एवं इनके फायदे को भी विस्तारपूर्वक समझाया गया, योग की समाप्ति के पश्चात आये हुए योग गुरु का महाविद्यालय के प्रसाशनिक अधिकारी विस्वजीत बारिक सर ने आभार व्यक्त किया, एवं साथ ही सभी बच्चों को नियमित योग करने की सलाह भी दी, महाविद्यालय की शिक्षा विभाग की प्राचार्य मंजूलता कश्यप ने बच्चों को सम्बोधित करते हुए कहा की योग से न केवल हमारी सेहत अच्छी रहती है बल्कि मन ओर दिमाग भी स्थिर रहता है जिसे आप सभी का मन पढ़ाई मे और अच्छे से लगेगा, महविद्यालय के नर्सिंग विभाग की प्राचार्या प्रियांशु रॉय जी ने भी सभी को नियमित योग करने की सलाह दी। इस कार्यक्रम को सफल बनाने मे महाविद्यालय की दे इकाई एवं सभी शिक्षक कर्मचारियों का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

नकली शराब बनाते 2 गार्ड रंगेहाथों अरेस्ट

पुलिस ने मिलावटी शराब के साथ ब्रांडेड बोतलें की जब्त, मिला रहे थे स्प्रिट और पानी

मीडिया ऑडीटर, सूरजपुर एजेंसी। सूरजपुर जिले के शिवनंदनपुर के शासकीय शराब दुकान में 2 गार्ड ब्रांडेड शराब की बोतलों में मिलावटी शराब भरते पकड़े गए। गार्डों ने शराब दुकान के पीछे गार्ड रूम में शराब में स्प्रिट और पानी मिलाकर ब्रांडेड शराब की बोतलों में भर रहे थे। पुलिस ने मौके से शराब की खाली बोतलें, ढक्कन एवं सील करने का सामान बरामद किया गया है। पुलिस ने दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। नकली शराब बनाकर असली बोतल में भर रहे थे: जानकारी के मुताबिक, शिवनंदनपुर में शासकीय अंग्रेजी शराब दुकान के पीछे गार्ड रूम में शराब मिलावट की सूचना रात को विश्रामपुर थाना प्रभारी को मिली थी। सूचना पर विश्रामपुर पुलिस ने शराब दुकान के पीछे गार्ड रूम में छापा मारा। मिलावटी और नकली शराब बनाकर बोतलों में भरने की तैयारी थी।

भरने के लिए रखी थी खाली बोतलें: मौके पर पुलिस ने उनके कब्जे से मैक्डावेल कंपनी की भरी हुई चार बोतल अग्रेजी शराब समेत रायल चौलेंज अग्रेजी शराब की 20 नग खाली बोतले, मैक्डावेल नंबर वन शराब की बिना ढक्कन की नौ बोतलें, मैक्डावेल नंबर वन की बोतल का 40 नग नया ढक्कन बरामद किया है। इसके साथ ही रायल चौलेंज शराब की बोतल का 50 नग नया ढक्कन, एक नग स्प्रिट की बोतल, बीस लीटर वाली पानी टंकी में दस लीटर पानी और 20 लीटर वाली पानी टंकी में दस लीटर शराब के अलावा अन्य सामान बरामद किया गया है।

दोनों गार्ड गिरफ्तार: पुलिस ने नकली व मिलावटी शराब बनाने के आरोप में देवकरण सिंह (32) निवासी सुदामानगर और विवेक उर्फ विशाल रवि (25) निवासी केशवनगर को गिरफ्तार कर लिया है। दोनों के खिलाफ आबकारी एक्ट की धारा 34 (2), 38 (क), 49 (क) एवं 59 (क) के तहत अपराध दर्ज कर उन्हें गिरफ्तार कर लिया है। दोनों आरोपी शासकीय शराब दुकान में गार्ड के रूप में काम करते थे।

मिलावट की लगातार मिल रही थी शिकायत: विश्रामपुर के शराब दुकान सहित अन्य शराब दुकानों से लगातार मिलावट की शिकायतें सामने आ रही थीं। जिन गार्डों को पकड़ा गया है उन्होंने पूर्व में भी मिलावट करना बताया है। सरगुजा संभाग के अंबिकापुर और बलरामपुर जिले के वाड्रफनगर में इसके पूर्व अंग्रेजी शराब में मिलावट की शिकायतें आ चुकी हैं।

बढ़ रही चाकूबाजी की वारदातें, प्रहार अभियान बेअसर

युवक को मारा चाकू, पाइप चोरी करने से मना किया तो बाप-बेटे पर हमला

मीडिया ऑडीटर, बिलासपुर एजेंसी। बिलासपुर में गुंडे-बदमाश और चाकूबाजों पर पुलिस की प्रहार अभियान का असर नहीं दिख रहा है। स्थिति यह है कि हर तीसरे दिन चाकूबाजी की वारदातें हो रही हैं। एक बार फिर से बदमाश युवक ने अपने दोस्त पर चाकू से हमला कर दिया। वहीं, दूसरी घटना में पाइप चोरी करने से रोकने पर बदमाशों ने पिता-पुत्र पर चाकू से वार कर दिया।

इस हमले में घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घटना तारबाहर और सरकंडा थाना क्षेत्र की है। बता दें कि पुलिस जिले में प्रहार अभियान चलाकर अपराधियों पर नकेल कसने का दावा कर रही है, लेकिन चाकूबाजी नहीं रुक रही है।

तारबाहर क्षेत्र के रॉनी उर्फ रोनाल्ड थामस (22) पिता रॉबिन्स थामस ने बताया कि बुधवार की रात उसके दोस्त विकास वैष्णव के साथ मामूली विवाद हुआ था, जिसके बाद रात में उसने फोन कर चाकू मारने की धमकी देने लगा। उसकी बालों को रॉनी ने हल्के में लिया और हंसी मजाक समझता रहा। लेकिन, उसे नहीं पता था कि वो दूसरे दिन सुबह चाकू से जानलेवा हमला कर देगा।

नाश्ता करके लौट रहा था, तभी चाकू से किया वार: रॉनी ने बताया कि वह गुरुवार की सुबह अपने दोस्त गौरव और नितिश के साथ स्कूटी मे रेल्वे स्टेशन नास्ता करने गया था। इसी दौरान विकास वैष्णव ने फोन कर उर्दू ग्राउण्ड के पास बुलाया, जिस पर वह अपने दोस्तों के साथ वहां पहुंचा। फिर दोस्तों को वापस भेज दिया। इसी बीच विकास अपने दोस्त के साथ स्कूटी में आया। इस दौरान उसके हाथ में चाकू था। गाड़ी से उतरने ही उसने गाली देते हुए रॉनी पर चाकू से हमला करने लगा, जिस पर वह बचने की कोशिश करने लगा। इस बीच उसने चाकू से वार कर दिया, जिसके बाद वह खून से लथपथ पैदल तारबाहर थाने पहुंचा, जहां से उसे इलाज के लिए अस्पताल भेजा गया।

मोहर्रम में शेर बनने को लेकर किया विवाद: रॉनी ने बताया कि वह पिछले साल मोहर्रम में शेर बना था। इस बार भी किसी ने विकास वैष्णव को बता दिया कि वो शेर बनने वाला है। इसी बात को लेकर वह गाली देने लगा और बोला कि बहुत बड़ा शेर बनता है, तुझे जान से मार दूंगा कहते हुए हमला कर दिया।

चोरी करने से रोका तो पिता-पुत्र को मार दिया चाकू: इधर, गुरुवार दोपहर सरकंडा क्षेत्र के अटल आवास के पास चाकूबाजी हो गई। चोरी करने से रोकने पर बदमाशों ने मिलकर पिता-पुत्र पर चाकू से हमला कर दिया। इस हमले में घायल युवक के पिता को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। बहतराई स्थित अटल आवास के पास रहने वाला मोनू साहू ने बताया कि बुधवार की देर रात अटल आवास के पाइप को मोनू, धीरू, अमन और सागर चोरी कर रहे थे, जिन्हें मोनू साहू ने मना किया, जिस पर सभी वहां से चले गए। इससे नाराज युवक गुरुवार को दोपहर मोहल्ले में पहुंच गए।

गंभीर रूप से घायल युवक का पिता: इस दौरान उन्होंने मोनू साहू के साथ गाली-गलौज करने लगे। उसके विरोध करने पर बदमाशों ने उस पर चाकू से वार कर दिया। इस बीच उसके पिता मुकेश साहू बीच-बचाव करने पहुंचा तो युवकों ने उसके ऊपर भी चाकू से हमला कर दिया, जिसके बाद पिता-पुत्र खून से लथपथ होकर घायल हो गए। उसके पिता को गंभीर हालत में सिम्स में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने मामले में मोनू, धीरू, अमन और सागर के खिलाफकेस दर्ज कर लिया है।

रेलवे स्टेशन पर ऑटो चालकों की हड़ताल खत्म

रेलवे ने एक सप्ताह का मांगा समय, पार्किंग को लेकर ठेकेदार से हुआ था विवाद

मीडिया ऑडीटर, रायपुर एजेंसी। रायपुर में ऑटो चालकों की गुरुवार को हुई हड़ताल खत्म हो गई है। रेलवे स्टेशन पर पार्किंग को लेकर हुए विवाद के बाद ऑटो चालक हड़ताल पर चले गए थे। इसके बाद ऑटो की पार्किंग और स्टेशन परिसर में एंट्री को लेकर व्यवस्था बनाने के लिए रेलवे ने एक सप्ताह का समय मांगा है।

दरअसल, रेलवे स्टेशन पर पार्किंग ठेकेदार और ऑटो ड्राइवरों के बीच गुरुवार शाम पार्किंग के पैसे को लेकर विवाद हो गया था। काफी देर तक हंगामा चलता रहा, इसके बाद करीब 350 ऑटो चालक हड़ताल पर चले गए थे। ऑटो चालकों ने समस्या का समाधान नहीं होने पर उग्र आंदोलन की चेतावनी दी है।

ऑटो चालक जन कल्याण संघ के अध्यक्ष राजेश स्वामी ने बताया कि,रेलवे के सीनियर वाणिज्यिक अधिकारी अवधेश त्रिवेदी से चर्चा हुई। ऑटो संघ की पार्किंग एरिया और एंट्री फीस को लेकर रेलवे ने व्यवस्था बनाने को लेकर एक हफ्ते का समय मांगा है। इसमे ऑटो चालकों की सहूलियत का ध्यान रखा जाएगा।

प्री-पेड ऑटो को परिसर में नहीं देना होगा एक्सट्रा चार्ज: स्वामी ने कहा कि, इसके अलावा रेलवे स्टेशन के प्री-पेड ऑटो को परिसर में एंट्री करते समय एक्स्ट्रा चार्ज नही देना होगा। हालांकि रेलवे ने संघ को मौखिक तौर पर ये आश्वासन दिया है। पदाधिकारी कमल पांडेय और राजेश स्वामी ने बताया कि, संघ 40 सालों से सरकारी रेट पर सवारियों को सुविधाएं दे रहा है। अब तक रेलवे ने कभी भी पार्किंग शुल्क नहीं लिया। अब पार्किंग ठेकेदार ऑटो वालों से पार्किंग वसूलने के लिए लगातार दबाव बना रहे हैं। हम हमेशा रेलवे को सहयोग करते आए हैं, लेकिन उसके बावजूद ऑटो वालों के साथ ऐसा रवैया हो रहा है।

कोयला से लदे ट्रक में राख मिलाया, 3 अरेस्ट

फैक्ट्री में डंप के दौरान क्वालिटी टेस्ट में फंसे, मैनेजर ने की थी शिकायत

मीडिया ऑडीटर, रायपुर एजेंसी। रायपुर में तीन ट्रक ड्राइवरों ने मालिक से धोखाधड़ी कर कोयले से भरे ट्रकों में राख मिला दिया, फिर उसे फैक्ट्री में खपाने की कोशिश की, लेकिन माल की जांच पड़ताल में पकड़ा गए। इसके बाद फैक्ट्री ने माल लेने से मना कर दिया।

इस मामले में लॉजिस्टिक सप्लायर कंपनी के ब्रांच मैनेजर ने इसकी शिकायत पुलिस से की। पुलिस ने इस मामले में 2 आरोपियों की गिरफ्तारी के बाद तीसरे आरोपी को भी पकड़ लिया है।मामले में अनूप शुक्ला ने मंदिर हसौद पुलिस को बताया कि ट्रासिन लाजिस्टिक प्रा. लिमिटेड का ब्रांच मैनेजर है। उसकी कंपनी सूर्या कैरियर के डी.ओ. का माल लेकर जाती है।

16 अप्रैल 2022 से 18 अप्रैल 2022 के बीच कंपनी ने ट्रांसपोर्ट के लिए विशाखापट्टनम से ट्रक में कोयला भरकर मोनेट इस्पात मंदिर हसौद रायपुर लाना था। इस दौरान कोयला लोड होने के बाद अंकित कुमार ईश्वर गेंदरे और दीपक वैष्णव ट्रक लेकर निकले।

रास्ते में किया मिलावट: इस दौरान बीच रास्ते में ट्रक ड्राइवर ने चालाकी से माल से कोयला निकाल कर उस पर राख मिला दी। ट्रक जब फैक्ट्री पहुंचा तो माल की जांच पड़ताल की गई। इस दौरान माल की खराब क्वालिटी को लेकर कंपनी ने इसे लेने से इनकार कर दिया। जिसके बाद लॉजिस्टिक कंपनी के मैनेजर ने जांच किया तो इस पूरे मामले का खुलासा हो गया।

2 पहले हो चुके हैं गिरफ्तार: इस मामले में पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर आरोपियों की तलाश कर रही थी। 2 साल बाद पुलिस ने अंकित साहू और ईश्वर गेंदरे की लोकेशन का पता मिलते ही गिरफ्तार कर लिया था। इस मामले में अब तीसरे आरोपी दीपक वैष्णव को भी पुलिस ने अरेस्ट कर लिया है।

अगले 5 दिन हो सकती है झमाझम वर्षा

रायपुर-बिलासपुर में प्री मानसून की बरसात से गिरा टेंपरेचर, हफ्ते भर बारिश-अंधड़ का अलर्ट

मीडिया ऑडीटर, रायपुर एजेंसी। छत्तीसगढ़ में 12 दिनों तक बीजापुर और सुकमा में अटका मानसून शुक्रवार को रायपुर, पेंड्रा, कोरबा और रायगढ़ जिले के कुछ हिस्से तक पहुंच गया। वहीं धमतरी, गरियाबंद, राजनांदगांव और दुर्ग तक सक्रिय हो गया। अगले दो-तीन दिनों में रायपुर से बिलासपुर तक एक्टिव हो जाएगा। अगले चार-पांच दिनों तक प्रदेशभर में अच्छी बारिश की संभावना है। आधे छत्तीसगढ़ में मानसून सक्रिय होने के कारण राज्य के कई इलाकों में अच्छी बारिश शुरू हो गई है। गुरुवार शाम को रायपुर में भी प्री मानसून की अच्छी बारिश हुई। मौसम विभाग ने अगले सप्ताह भर प्रदेश में तेज अंधड़ के साथ गरज-चमक पड़ने और बारिश की चेतावनी दी है।

अगले चार-पांच दिनों में अच्छी बारिश की संभावना: मौसम विज्ञानियों के मुताबिक अगले चार-पांच दिनों तक प्रदेशभर में अच्छी बारिश की संभावना है। इस दौरान पूरे प्रदेश में मानसून सक्रिय हो जाएगा। भले ही मानसून अब तक थोड़ा कमजोर रहा है, लेकिन अगले कुछ दिनों में होने वाली बारिश से जून में पानी का कोटा बहुत हद तक पूरा हो जाएगा। शुक्रवार को वैसे तो राज्य भर में अच्छी बारिश होगी, लेकिन कुछ-कुछ इलाकों में 24 घंटे के दौरान मध्यम से भारी बारिश होने की संभावना है।

पिछले 24 घंटे के दौरान यहां हुई बारिश: मौसम विभाग के मुताबिक पिछले 24 घंटे में दोरनापाल में 60 मिलीमीटर, सुकमा, पाटन और भनपुरी में 50, कुटरु और जगरगुंडा में 40, बीजापुर, गोबरा-नवापारा और दरभा में 30, बस्तर, ओरछा, पंडरिया, गुंडरदेही, सिमगा, खैरागढ़-गंडई, कोंडागांव, सुहेला और साजा में 20 मिलीमीटर बारिश रिकॉर्ड की गई। वहीं, छुईखदान, कुरूद, राजिम, जगदलपुर, नगरी, कवर्धा, डोंगरगढ़ में 10 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई।

अगले 24 घंटे में इन जिलों में बारिश के आसार: मौसम विभाग के मुताबिक प्रदेश में आज रायपुर, दुर्ग, बिलासपुर, सरगुजा और बस्तर संभाग के जिलों में बारिश के आसार हैं। रायपुर, बलौदा बाजार, गरियाबंद, धमतरी, दुर्ग, बालोद, बेमेतरा, कबीरधाम, राजनांदगांव, बिलासपुर, पेंड्रा रोड, रायगढ़, मुंगेली, कोरबा और जांजगीर में बारिश की संभावना है। वहीं, सरगुजा, जशपुर, कोरिया, सूरजपुर, बलरामपुर, बस्तर, कोंडागांव, दंतेवाड़ा, सुकमा, कांकेर, बीजापुर और नारायणपुर जिले में भी हल्की से मध्यम बारिश होने की संभावना है। इस दौरान थंडरस्टॉर्म के साथ अंधड़ चलने और वज्रपात की भी संभावना जताई गई है।

गुरुवार को ऐसा रहा तापमान: गुरुवार को प्रदेश में सबसे ज्यादा अधिकतम तापमान 37.9 डिग्री बलरामपुर में रिकॉर्ड किया गया। सबसे कम न्यूनतम तापमान 23.5 डिग्री रायपुर में दर्ज किया गया। गुरुवार को रायपुर में दिन का पारा 35.5 डिग्री रिकॉर्ड किया गया, जो सामान्य से 1.9 डिग्री ज्यादा रहा। बिलासपुर में दिन का तापमान 32 डिग्री रिकॉर्ड किया गया, जो औसत से 4.7 डिग्री कम था। अंबिकापुर में 33.8 डिग्री तापमान रहा। जगदलपुर में 31.6, दुर्ग में 34.4 और पेंड्रा में 33 डिग्री अधिकतम तापमान रिकॉर्ड किया गया।

रायपुर और बिलासपुर जल्द पहुंचेगा मानसून: बस्तर में समय से पहले पहुंचने के बाद मानसून थोड़ा कमजोर पड़ गया है। इस दौरान प्रदेश के कुछ-कुछ हिस्सों में छिटपुट बारिश होती रही है। यह ना तो खेतों की प्यास बुझा पाई और ना ही गर्मी से राहत दे पाई। गर्मी और उमस से बेचैन लोग पिछले करीब एक हफ्ते से बारिश का इंतजार कर रहे हैं। 15 जून तक मानसून को रायपुर पहुंच जाना चाहिए था। फिलहाल पांच दिन की देरी हो चुकी है और अब भी इसके रायपुर में एंट्री की संभावना एक-दो दिन बाद ही होने की संभावना है। मौसम विभाग का कहना है कि अगले तीन से चार दिनों में मानसून आगे बढ़ेगा और रायपुर के साथ बिलासपुर तक सक्रिय हो जाएगा।

पुतिन ने किम-जोंग-उन के लिए कार चलाई, फिर गिफ्ट कर दी अपनी लग्जरी कार

रूसी (एजेंसी)। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और उत्तर कोरिया के तानाशाह किम-जोंग-उन का एक वीडियो वायरल हो रहा है। इसमें पुतिन कार चला रहे हैं और किम पास की फ्रंट सीट पर बैठे हैं। इस दौरान दोनों हंस-हंस कर बात कर रहे हैं।

बाद में पुतिन ने किम को ऑरस लिमोजिन लग्जरी कार तोहफे में दी है। अपनी यात्रा के दौरान पुतिन ने किम को एक कटार और टी सेट भी गिफ्ट किए। पुतिन के सहयोगी यूरी ऊषाकोव ने बताया, %ये तोहफे पुतिन की छवि को दर्शाते हैं। यह पहली बार नहीं है जब पुतिन को लग्जरी गिफ्ट दिए। पिछले साल फरवरी में भी पुतिन ने उन्हें ऑरस लिमोजिन कार भेंट की थी।

24 साल बाद नॉर्थ कोरिया गए थे पुतिन: रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन 24 साल बाद बुधवार सुबह नॉर्थ कोरिया के दौरे पर पहुंचे थे। किम ने खुद उन्हें रिसीव किया था। पुतिन के साथ रूस के 10 मंत्रियों और अधिकारियों का डेलिगेशन मौजूद था। इनमें विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव और रक्षा मंत्री आंद्रे बेलोऊसोव शामिल थे।

रूसी राष्ट्रपति के स्वागत में एयरपोर्ट पर रेड कार्पेट बिछाया गया था। दोनों नेताओं ने एक-दूसरे को गले भी लगाया। इसके बाद राजधानी प्योंगयांग के सिटी स्क्वायर पर पुतिन का आधिकारिक स्वागत हुआ। चौराहे को रंग बिरंगे गुब्बारों से सजाया गया। सड़कों पर पुतिन के काफिले को देखने के लिए हजारों लोगों की भीड़ उमड़ी। उनके हाथ में रूस और नॉर्थ कोरिया का झंडा था। इसके अलावा कुछ इमारतों पर पुतिन और किम जोंग के बड़े-बड़े पोस्टर भी लगाए गए थे। सिटी स्क्वायर पर पुतिन के स्वागत में मिलिट्री बैंड ने दोनों देशों की राष्ट्र धुन बजाई गई। इस दौरान वहां इकट्ठा हुए बच्चों के हाथ में रंग-बिरंगे फूल भी मौजूद थे। पूरे कार्यक्रम के दौरान किम जोंग की बहन किम यो जोंग भी वहां मौजूद रहीं।

नॉर्थ कोरिया की 105 मंजिला इमारत रंग-बिरंगी लाइट्स से जगमगाई: ब्रिटिश मीडिया के मुताबिक, पुतिन के स्वागत में ग्रैंड परेड के अलावा प्योंगयांग में मौजूद 105 मंजिला रुगयोंग होटल को स्थ्रष्ठ लाइट्स से सजाया गया। इस पर वेलकम पुतिन और दोस्ती लिखा नजर आया। रूसी न्यूज एजेंसी इंटरफैक्स के मुताबिक, दोनों नेताओं के बीच द्विपक्षीय बैठक भी हुई। इस दौरान पुतिन ने यूक्रेन जंग में रूस का साथ देने के लिए किम जोंग को धन्यवाद कहा। पुतिन ने एक नए मौलिक दस्तावेज की भी घोषणा की, जो दोनों देशों के बीच रिश्तों की बुनियाद बनेगा। पुतिन ने कहा कि पिछले साल किम जोंग की रूस यात्रा के दौरान दोनों देशों के रिश्ते मजबूत हुए थे। अब इस पार्टनरशिप को आगे बढ़ाने के लिए नया फंडामेंटल डॉक्यूमेंट बनाया गया है।

किनाडाई संसद में निज्जर को श्रद्धांजलि पर भारत को आपत्ति कहा- हिंसा की वकालत न करें

खालिस्तानी आतंकी की बरसी पर सांसदों ने मौन रखा था

कनाडा (एजेंसी)। कनाडा की संसद में मंगलवार (18 जून) को खालिस्तानी आतंकी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या के एक साल पूरे होने पर उसे श्रद्धांजलि दी गई थी। इसके लिए संसद में एक मिनट का मौन रखा गया था। अब भारत ने इसे लेकर आपत्ति जताई है।

विदेश मंत्रालय ने शुक्रवार को एक साप्ताहिक प्रेस ब्रीफ में कहा कि भारत राजनीति में कट्टरता के लिए जगह तैयार करने और हिंसा की वकालत करने वाले हर कदम का विरोध करता है।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा '%हमने लगातार इस बात पर जोर दिया है कि खालिस्तानी गतिविधियां हमारे लिए गंभीर चिंता का विषय हैं। हम बार-बार कनाडा सरकार से कार्रवाई करने की बात कर रहे हैं।' प्रवक्ता जायसवाल ने कहा कि कनाडा में चरमपंथियों को राजनीतिक छूट दी गई है। ऐसे लोगों पर सख्त कार्रवाई की जानी चाहिए।

दरअसल, 18 जून 2023 की शाम को कनाडा के सरे शहर के एक गुरुद्वारे से निकलते समय निज्जर की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। कनाडा के प्रधानमंत्री ट्रूडो ने पिछले साल 18 सितंबर को भारत सरकार पर निज्जर की हत्या में

शामिल होने का आरोप लगाया था, जिसे भारत ने खारिज किया था।मामले में एक्शन लेते हुए कनाडा की ट्रूडो सरकार ने भारत के एक सीनियर डिप्लोमैट को देश से निकाल दिया था। पिछले महीने कनाडा ने निज्जर हत्याकांड मामले में 4 भारतीय नागरिकों को गिरफ्तार किया था। एडमॉन्टन में रहने वाले 22 साल के करण ब्रार, 22 साल के कमलप्रीत सिंह और 28 साल के करणप्रीत सिंह पर फर्स्ट-डिग्री हत्या और हत्या की साजिश रचने के आरोप में लगे थे। इसके बाद एक और भारतीय अमनदीप सिंह को कनाडाई अधिकारियों ने कुछ दिन बाद गिरफ्तार कर लिया था।

कनाडा उन लोगों को वीजा देता है जो भारत में वांटेड

निज्जर मामले में गिरफ्तारियों के बाद विदेश मंत्री एस जयशंकर ने आरोप लगाया था कि कनाडा उन लोगों को वीजा देता है जो भारत में वांटेड हैं। उन्होंने कहा था, %पंजाब में संगठित अपराधों से जुड़े लोगों का कनाडा में स्वागत किया जाता है। भारत पर आरोप लगाने के बाद कनाडा ने कहा था कि वह इससे जुड़े सबूत भी देगा, जो उसने अब तक नहीं दिए हैं। जयशंकर अलग-अलग मंचों से कई बार ट्रूडो सरकार पर खालिस्तानी आतंकियों को पनाह देने का आरोप लगाते रहे हैं। हालांकि एक महीने पहले कनाडा की विदेश मंत्री ने कहा था कि भारत निज्जर की हत्या की जांच में सहयोग कर रहा है।

90 सेकेंड में दिया था वारदात को अंजाम: द वॉशिंगटन पोस्ट की रिपोर्ट के मुताबिक कुछ महीनों पहले इस हत्याकांड से जुड़ा 90 सेकेंड का एक छ्ष्टञ्जङ्क फुटेज जारी किया गया था। इसमें निज्जर ग्रे पिकअप ट्रक को पार्किंग से बाहर निकालता दिखाई दिया था। इसके बाद हमलावर सिख गेटअप में आते हैं। उन्होंने 2 कारों से निज्जर के पिकअप ट्रक का काफी समय तक पीछा किया। फिर कुछ देर में हत्यारों की कार ट्रक के सामने आ गई। इस पर निज्जर ने ट्रक रोक दिया। इसके बाद कार से 2 लोग काली स्वेटशर्ट पहनकर बाहर निकले। उन्होंने निज्जर पर काफी देर तक गोलियां चलाईं और फिर कार में बैठकर फरार हो गए।

पुलिस को दो युवकों ने बयान भी दिए थे, जो घटना के वक्त पास ही एक ग्राउंड में खेल रहे थे। उन्होंने बताया कि आरोपियों के मुंह ढंके हुए थे। उन्होंने निज्जर पर ऑटोमेटिक वेपन से करीब 50 राउंड फायर किए और फरार हो गए। पुलिस के मुताबिक, निज्जर के शरीर में करीब 34 गोलियां लगी थीं।

झारखंड में महिलाओं को मिलेंगे हर महीने 1000 रुपए

रांची (एजेंसी)। झारखंड में महिलाओं को आर्थिक रूप से मजबूत बनाने के लिए चंपाई सरकार महिलाओं के बैंक खाते में हर महीने एक हजार रुपए भेजेगी। सरकार की इस योजना का लाभ 40 लाख महिलाओं को मिलेगा। राज्य सरकार ने जल्द से जल्द इस योजना को लागू करने के लिए तैयारी तेज कर दी है। चंपाई सरकार 1 जुलाई से 'मुख्यमंत्री बहन-बेटी स्वावलंबन प्रोत्साहन योजना' शुरू करने की तैयारी में है। राज्य सरकार पश्चिम बंगाल की लक्ष्मी भंडार योजना की तर्ज पर झारखंड में बहन बेटी स्वावलंबन योजना की शुरुआत कर रही है। इस योजना का फायदा 25 से 50 वर्ष की आयु सीमा के बीच की महिलाओं को मिलेगा। सरकार जल्द ही कैंप लगाकर इसके लिए आवेदन लेगी। जुलाई में आवेदन की प्रक्रिया पूरी करने की योजना है, जबकि अगस्त से इस योजना के माध्यम से महिलाओं के खाते में पैसे भेजने की शुरुआत हो सकती है। झारखंड में इस योजना में आने वाले खर्च अनुमान के मुताबिक करीब 40 लाख महिलाएं इस योजना के दायरे में आएंगी। योजना पर सालाना करीब 4000 करोड़ रुपए से अधिक खर्च हो सकता है।

चंपाई सोरेन ने झारखंड मंत्रालय में महिला, बाल विकास एवं सामाजिक सुरक्षा विभाग की समीक्षा की। इस बैठक के बाद ही योजना पर फैसला लिया गया। इस योजना में गरीब और आर्थिक रूप से कमजोर महिलाओं को शामिल करने का लक्ष्य है। आर्थिक रूप से कमजोर सभी वर्ग की गरीब एवं जरूरतमंद महिलाओं को वित्तीय सहायता दी जाएगी। इस योजना के लिए एक वेबसाइट तैयार होगी। योजना के संबंध में सारी जानकारियां यहां दी जाएगी।

मक्का में हज के दौरान 98 भारतीय तीर्थयात्रियों ने गवाई जान

नई दिल्ली (एजेंसी)। विदेश मंत्रालय (एमईए) ने शुक्रवार को कहा कि इस वर्ष सऊदी अरब में हज यात्रा के दौरान प्राकृतिक कारणों और दुर्घटनाओं के कारण 98 भारतीयों की मौत हो गई। पिछले सप्ताह के अंत में भारत से 175,000 से अधिक तीर्थयात्री तीर्थयात्रा के दौरान प्रार्थना करने के लिए मक्का के बाहर पवित्र माउंट अराफात पर एकत्र हुए। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने शुक्रवार को नई दिल्ली में साप्ताहिक मीडिया ब्रीफिंग के दौरान कहा, हर साल बड़ी संख्या में भारतीय हज यात्रा पर जाते हैं। इस साल करीब 1,75,000 भारतीय हज यात्रा पर गए हैं। हज की मुख्य अवधि 9 मई से 22 जुलाई तक है। उन्होंने कहा, अब तक हमने अपने 98 नागरिकों को खो दिया है। ये मौतें बीमारी, प्राकृतिक कारणों, दीर्घकालिक बीमारी और बुढ़ापे के कारण हुई हैं। अराफात के दिन छह भारतीयों की मौत हुई और चार भारतीयों की मौत दुर्घटनाओं के कारण हुई। पिछले साल हज के दौरान 187 भारतीयों की मौत हुई थी। ऐसा माना जाता है कि इस वर्ष की तीर्थयात्रा के दौरान भीषण गर्मी के कारण विभिन्न देशों से आए सैकड़ों लोगों की मृत्यु हो गई। हज के दौरान सैकड़ों मिस्रियों के मारे जाने की अपुष्ट खबरों के बीच, मिस्र के विदेश मंत्रालय ने गुरुवार को कहा कि उसने अस्पतालों का दौरा करने और लापता नागरिकों को खोजने के लिए मक्का में अपनी वाणिज्य दूतावास टीमों को तैनात किया है।

अभी जेल में ही रहेंगे अरविंद केजरीवाल

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल जेल से अभी बाहर नहीं आएंगे, ईडी की याचिका पर दिल्ली हाईकोर्ट ने फैसला सुरक्षित रख लिया है। गुरुवार का राउज एवेन्यू कोर्ट ने शराब घोटाले के मनी लॉन्ड्रिंग केस में केजरीवाल को नियमित जमानत दे दी थी। निचली अदालत के इस फैसले के खिलाफ शुक्रवार को ईडी ने दिल्ली हाईकोर्ट का रूख किया। अब हाईकोर्ट ने केजरीवाल की जमानता पर फैसला सुरक्षित रख लिया है। ऐसे में अभी केजरीवाल को कुछ दिन जेल में और गुजारने पड़ेंगे, दिल्ली हाईकोर्ट दो से तीन दिन में इस पर फैसला सुनाएगा। न्यायमूर्ति सुधीर कुमार जैन और न्यायमूर्ति रविंदर डुडेजा की अवकाश

पीठ ने ट्रायल कोर्ट की कार्यवाही को प्रभावी ढंग से रोकते हुए कहा, जब तक उच्च न्यायालय मामले की सुनवाई नहीं करता, तब तक रुकें। ट्रायल कोर्ट (राउज़ एवेन्यू) के समक्ष कोई कार्यवाही तब तक शुरू नहीं होगी जब तक कि दिल्ली उच्च न्यायालय सुनवाई नहीं कर लेता। राउज एवेन्यू अदालत में गुरुवार को न्यायमूर्ति न्याय बिंदु की अवकाश पीठ ने केजरीवाल को जमानत दे दी, साथ ही आदेश पर 48 घंटे की रोक लगाने के ईडी के अनुरोध को भी खारिज कर दिया। ईडी का प्रतिनिधित्व कर रहे अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल (एएसजी) एसवी राजू ने दिल्ली उच्च न्यायालय को सूचित किया कि एजेंसी को अपना मामला पेश करने का उचित अवसर नहीं दिया गया। राजू ने कहा, आदेश अभी तक अपलोड नहीं किया गया है। हमें विरोध करने का उचित अवसर नहीं मिला है। उन्होंने तर्क दिया कि उन्हें मामले पर बहस करने या लिखित प्रस्तुतियाँ दाखिल करने के लिए पर्याप्त समय नहीं दिया गया था।

ममता बनर्जी ने प्रधानमंत्री मोदी को लिखा पत्र

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को पत्र लिखकर %हड़बड़ी में पारित% तीन आपराधिक कानूनों के कार्यान्वयन को टालने का आग्रह किया है। ये तीनों कानून एक जुलाई से लागू होने हैं। ममता ने कहा कि ऐसा करने से आपराधिक कानूनों की नये सिरे से संसदीय समीक्षा संभव होगी। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) सुप्रीमो ने प्रधानमंत्री मोदी को लिखे पत्र में तीनों कानूनों के आसन्न कार्यान्वयन को लेकर गंभीर चिंता जताई। ये तीन नये और भारतीय साक्ष्य अधिनियम, 2023। उन्होंने कहा कि ये तीनों विधेयक लोकसभा में ऐसे समय में पारित हुए।

लोकसभा के पहले सत्र में सरकार को घेरेगा विपक्ष

नई दिल्ली (एजेंसी)। आम चुनाव में ताकत बढ़ने के बाद विपक्ष 24 जून से शुरू हो रहे लोकसभा के पहले ही सत्र में मोदी सरकार को घेरने की तैयारी में है। इंडिया ब्लॉक की रणनीति सामूहिक ताकत दिखाने की है। फोकस तीन मुद्दों नीट, अग्निवीर योजना और एग्जिट पोल से शेयर बाजार में उथल-पुथल से करोड़ों रुपए इधर से उधर होने पर रहेगा। इन तीनों मुद्दों पर सरकार बैकफुट पर है। भाजपा के सहयोगी दल भी नीट और अग्निवीर को लेकर अलग खड़े दिख रहे हैं। सूत्रों के अनुसार, कांग्रेस इन तीनों मुद्दों पर विपक्ष को पूरी तरह साथ लेकर चलने की रणनीति अपनाएगी। मोदी सरकारी लोकसभा में घटी हुई ताकत को देखते हुए विपक्षी दल नीट और अग्निवीर जैसे मामलों से उपजे जनाक्रोश को जोर शोर से सदन में प्रकट करना चाहते हैं। वहीं, भाजपा और उसके सहयोगी दल सदन में सकारात्मक चर्चा को लेकर माहौल बनाने के रास्ते पर चलते दिखाई दे रहे हैं। दोनों सदनों के संयुक्त सत्र में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के अभिभाषण के माध्यम से

मोदी सरकार अपने अगले 5 साल के एजेंडे की झलक देगी। नीट परीक्षा- इंडिया गठबंधन इस विवाद को लेकर संसद में सरकार से दो-दो हाथ करने लिए के मुस्तैद है। समझा जाता है कि कांग्रेस और उसके सहयोगी दल इस मामले में सुप्रीम कोर्ट की निगरानी में जांच कराने की मांग करेंगे।

प्रियंका गांधी बोलीं- पर्यावरण को नुकसान पहुंचाए बिना विकास की कोशिश होनी चाहिए

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने भीषण गर्मी और लू के कारण हुई कई मौतों पर चिंता व्यक्त करते हुए शुक्रवार को कहा कि विकास इस तरह से होना चाहिए कि पर्यावरण को नुकसान नहीं हो और लोगों की तरक्की भी हो सके। उन्होंने सोशल मीडिया मंच 'एक्स% पर पोस्ट किया, ''कई राज्यों में बड़ी संख्या में पेड़ काटे जाने संबंधी खबरें देखीं। दूसरी तरफ,

गर्मी से पूरे देश में मौतें हो रही हैं। बढ़ता तापमान नये रिकॉर्ड बना रहा है। इस बार अप्रैल का महीना जलवायु के इतिहास में सबसे गर्म अप्रैल के रूप में दर्ज हुआ है। प्रियंका गांधी ने कहा कि विकास कार्य जरूरी हैं, लेकिन हमें ज्यादा से ज्यादा पर्यावरण को सुरक्षित रखने की जरूरत है। उन्होंने कहा, '' हम सबको मिलकर ऐसे विकास की कोशिश करनी होगी, जो हमारे पर्यावरण को नुकसान पहुंचाए बिना हमें आगे बढ़ाए। कई राज्यों में बड़ी संख्या में पेड़ों के काटे जाने से जुड़ीं खबरें देखीं। दूसरी तरफ, गर्मी से पूरे देश में मौतें हो रही हैं। बढ़ता तापमान नये रिकॉर्ड बना रहा है।

नड्डा 6 महीने और भाजपा अध्यक्ष रह सकते हैं

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय जनता पार्टी इस साल 4 राज्यों महाराष्ट्र, झारखंड, हरियाणा और जम्मू-कश्मीर के विधानसभा चुनाव तक जेपी नड्डा को अध्यक्ष बनाए रख सकती है। इन चुनावों में अभी 6 महीने हैं। नड्डा अभी केंद्रीय मंत्री भी हैं, लिहाजा उनके दैनिक क्रियाकलाप के संचालन के लिए किसी महासचिव को कार्यकारी अध्यक्ष बना सकते हैं। सुनील बंसल व विनोद तावड़े के नाम सबसे आगे हैं। नड्डा का कार्यकाल इसी साल जनवरी में खत्म हो चुका है। लोकसभा चुनाव के लिए जून तक विस्तार दिया गया था। जुलाई में पार्टी को नया अध्यक्ष चुनना था। लेकिन भाजपा के एक वरिष्ठ नेता का कहना है कि नए अध्यक्ष के चुनाव से पहले संगठनात्मक चुनाव की जरूरत होती है। इसमें 6 महीने का समय लगता है। सूत्रों का कहना है कि जिसे कार्यकारी अध्यक्ष की जिम्मेदारी मिलेगी, भविष्य में उसे पूर्णकालिक अध्यक्ष बनाया जा सकता है। चूंकि पार्टी अध्यक्ष का कार्यकाल 3 साल का होता है।

बीजेपी सांसद भर्तृहरि महताब के प्रोटेम स्पीकर बनने पर छिड़ा विवाद, कांग्रेस बोली- सरकार पहले दिन से ले रही पंगा

नई दिल्ली (एजेंसी)। 18वीं लोकसभा के लिए बीजेपी सांसद भर्तृहरि महताब को प्रोटेम स्पीकर चुना गया है। स्पीकर चुने जाने के बाद से ही इस पर विवाद शुरु हो गया है। कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने सरकार के फैसले पर सवाल उठाते हुए कहा है कि यह संसदीय परंपरा के खिलाफ है। कांग्रेस नेता का कहना है कि परंपरा मुताबिक सीनियर सांसद प्रोटेम स्पीकर नियुक्त किया जाता है। रीति-रिवाज और परंपरा के मुताबिक कोडिकुन्निल सुरेश का पूरा हक बनता है। रमेश ने कहा, भाजपा ने बीजेडी से छह और भाजपा से सातवां कार्यकाल वाले सांसद भर्तृहरि महताब को प्रोटेम स्पीकर नियुक्त किया है। यह टकराव की राजनीति है। अभी वे (भाजपा) बुलडोजर की राजनीति की मानसिकता से उबर नहीं पाए हैं। पहले दिन से ही टक्कर लेना चाहते हैं। दिखाना चाहते हैं कि हम हुकूमत हैं। हालांकि जनादेश प्रधानमंत्री के खिलाफ है। वे (मोदी) अब श्री 400 नहीं बल्कि श्री 240 हैं। प्रोटेम स्पीकर को दो दिन के लिए नियुक्त किया गया है। 26 जून को नया लोकसभा अध्यक्ष चुन लिया जाएगा।

नीट-यूजी विवाद-सुप्रीम कोर्ट का काउंसलिंग टालने से इनकार

नई दिल्ली (एजेंसी)। उच्चतम न्यायालय ने शुक्रवार को विवादों में घिरी राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा-स्नातक(नीट-यूजी)-2024 की छह जुलाई से प्रस्तावित काउंसलिंग प्रक्रिया को टालने से इनकार कर दिया और कहा कि यह कोई 'खोलने और बंद करने% की प्रक्रिया नहीं है। शीर्ष अदालत ने पांच मई को आयोजित परीक्षा में कथित अनियमितता को लेकर नीट-यूजी को रद्द करने के आग्रह वाली याचिका पर राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए), केंद्र सरकार और अन्य को नोटिस जारी किये हैं। न्यायमूर्ति विक्रम नाथ और न्यायमूर्ति एसवीएन भट्टी की अवकाशकालीन पीठ ने परीक्षा में धांधली का आरोप लगाने वाली अन्य लंबित याचिकाओं के साथ इस मामले की अगली सुनवाई आठ जुलाई को तय की है।

दिल्ली जल संकट- आतिशी अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल पर

नई दिल्ली (एजेंसी)। हरियाणा से रोज 100 मिलियन गैलन पानी दिए जाने की अपनी मांग को लेकर दिल्ली की जल मंत्री आतिशी आज यानी 21 जून से भूख हड़ताल कर रही हैं। हड़ताल शुरू करने से पहले उन्होंने राजघाट पहुंचकर महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि दी। उनके साथ अरविंद केजरीवाल की पत्नी सुनीता आप सांसद संजय सिंह और सौरभ भारद्वाज भी मौजूद थे। आतिशी दक्षिण दिल्ली के भोगल में भूख हड़ताल कर रही हैं। उनका आरोप है कि हर कोशिश के बावजूद, हरियाणा

सरकार दिल्ली के हिस्से का पूरा पानी नहीं रिलीज रही है। हड़ताल के दौरान संजय सिंह ने कहा- हम इस भीषण गर्मी में पशु-पक्षियों के लिए छतों पर पानी रख देते हैं।

इंसानों के लिए प्याऊ चलाये जाते हैं, लेकिन भाजपा वालों के अंदर इतनी क्रूरता भरी है कि वे दिल्ली के लोगों को एक-एक बूंद पानी के लिए तरसा रहे हैं। आतिशी ने एक्स पर पोस्ट में लिखा- दशकों पहले, बापू ने स्वदेश के लिए, आम लोगों के अधिकार के लिए सत्याग्रह का रास्ता अपनाया था।

जिम्बाब्वे दौरे पर वीवीएस लक्ष्मण बतौर कोच जाएंगे टीम इंडिया के साथ

नई दिल्ली (एजेंसी)। वीवीएस लक्ष्मण और राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी में उनका सहयोगी स्टाफ 6 जुलाई से शुरू होने वाली जिम्बाब्वे के खिलाफ पांच मैचों की टी20 सीरीज के लिए भारतीय टीम के साथ जा सकते हैं। जबकि कहा जा रहा है कि गौतम गंभीर श्रीलंका दौरे से कोच के रूप में अपना कार्यकाल शुरू कर सकते हैं। जिम्बाब्वे सीरीज के लिए टीम की घोषणा इस सप्ताह के आखिर तक हो सकती है। हालांकि, ये समझा जा रहा है कि गंभीर अपना कार्यकाल जुलाई के बीच से शुरू कर सकते हैं, जब भारत तीन टी20 और इतने ही वनडे मैचों की सीरीज के लिए श्रीलंका का दौरा करेगी। बीसीसीआई के एक सूत्र ने पीटीआई को बताया कि, ऐसी संभावना है कि लक्ष्मण एनसीए के कुछ कोचों के साथ नए दल के सात जिम्बाब्वे की यात्रा करेंगे। जब भी राहुल द्रविड़ और प्रथण टीम के कोच अपने कार्यकाल के दौरान पर ब्रेक लेते हैं तो उस दौरान लक्ष्मण ही टीम की कोचिंग का जिम्मा संभालते आए हैं। इसके अलावा कहा जा रहा है कि जिम्बाब्वे दौरे पर भारत की युवा टीम जा सकती है।

इस दल में टी20 वर्ल्ड कप के 6 से 7 सदस्य हो सकते हैं। तीन नए खिलाड़ी, जिनका शामिल होना लगभग तय माना जा रहा है। उनमें रियान पराग, अभिषेक शर्मा और ऑलराउंडर नितीश रेड्डी, जबकि यश दयाल या हर्षित राणा में से एक को भी पहली बार टीम में शामिल किया जा सकता है। साथ ही टीम की कप्तान हार्दिक पंड्या होंगे, अगर वह आराम नहीं मांगते हैं या सूर्यकुमार यादव हो सकते हैं।

सूर्यकुमार यादव ने की जीत के बाद गेंदबाजों की सराहना

नई दिल्ली (एजेंसी)। सूर्यकुमार यादव को आईसीसी टी20 विश्व कप के सुपर आठ चरण के ग्रुप एक मैच में अफगानिस्तान के खिलाफ अर्धशतक जड़ने के लिए मैच का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुना गया लेकिन उन्होंने गेंदबाजों की सराहना करते हुए कहा कि अगर यह पुरस्कार किसी गेंदबाज को मिलता तो उन्हें कोई परेशानी नहीं होती। भारत के 182 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए अफगानिस्तान की टीम बुमराह (सात रन पर तीन विकेट), अर्शदीप सिंह (36 रन पर तीन विकेट) और कुलदीप यादव (32 रन पर दो विकेट) की उम्दा गेंदबाजी के सामने 20 ओवर में 134 रन पर सिमट गई जिससे रोहित शर्मा की टीम ने 47 रन की आसान जीत दर्ज की। अफगानिस्तान की ओर से अजमतुल्लाह ओमरजई ने सर्वाधिक 26 रन बनाए। उनके अलावा अफगानिस्तान का कोई बल्लेबाज 20 रन के आंकड़े को भी नहीं छू पाया। भारत ने इससे पहले सूर्यकुमार की 28 गेंद में पांच चौकों और तीन छक्कों से 53 रन की पारी और हार्दिक पंड्या (32 रन, 24 गेंद, तीन चौके, दो छक्के) के साथ उनकी पांचवें विकेट के लिए 37 गेंद में 60 रन की साझेदारी से आठ विकेट पर 181 रन बनाए।

जसप्रीत बुमराह ने अफगान बल्लेबाजों को रनों के लिए तरसाया

नई दिल्ली (एजेंसी)। टी20 वर्ल्ड कप 2024 में भारत ने सुपर-8 चरण में अपने पहले मुकाबले में अफगानिस्तान को 47 रनों से हराया। इस जीत के हीरो सूर्यकुमार यादव और जसप्रती बुमराह रहे। जसप्रीत ने चार ओवर में महज सात रन देकर तीन विकेट चटकाए, इस दौरान एक ओवर मेडेन भी फेंका। बुमराह ने 24 ममें से 20 गेंदें तो डॉट फेंकी, जो अपने नाम आप में एक नया रिकॉर्ड है। इस मैच से पहले भारत की ओर से टी20 वर्ल्ड कप में एक पारी में सबसे ज्यादा डॉट गेंद फेंकने का रिकॉर्ड आरपी सिंह के नाम था, जो उन्होंने 2007 टी20 वर्ल्ड कप में बनाया था। आरपी सिंह ने तब मेजबान साउथ अफ्रीका के खिालफ 19 गेंदें डॉट डाली थीं, बुमराह अब उनसे आगे निकल गए हैं। आरपी सिंह का ये 17 साल पुरान रिकॉर्ड इस तरह से बुमराह ने ध्वस्त कर डाला। इस वर्ल्ड कप में बुमराह अलग ही लेवल की फॉर्म में नजर आ रहे हैं। टी20 वर्ल्ड कप 2024 में बुमराह 15 ओवर गेंदबाजी कर चुके हैं और इस दौरान उन्होंने महज चार बाउंड्री ही खाई हैं, इसके अलावा उन्होंने आठ विकेट चटकाए हैं। बुमराह ने टी20 वर्ल्ड कप 2024 में 3.5 से कम के इकॉनमी रेट से रन खर्चे हैं। मैच की बात करें तो भारत ने टॉस जीता और अफगानिस्तान के खिलाफ पहले बल्लेबाजी का फैसला लिया। टीम इंडिया ने 20 ओवर में आठ विकेट पर 181 रन बनाए, जवाब में अफगानिस्तान की पूरी टीम 20 ओवर में 134 रनों पर ऑलआउट हो गई।

अर्शदीप सिंह ने चार ओवर में 36 रन देकर तीन विकेट चटकाए।

साउथ अफ्रीका का दौरा करेगी टीम इंडिया, यहां देखें पूरा शेड्यूल

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम नवंबर 2024 में 4 मैच की टी20 सीरीज के लिए दक्षिण अफ्रीका का दौरा करेगी। ये जानकारी क्रिकेट दक्षिण अफ्रीका और बीसीसीआई की ओर से जारी संयुक्त बयान में दी गई। बयान में कहा गया कि 2023-24 में तीनों प्रारुपों में खेलने के बाद ये भारतीय पुरुष टीम का दक्षिण अफ्रीका का लगातार दूसरा दौरा होगा। चार टी20 मैचों में से पहला मैच 8 नवंबर को डरबन के किंग्समीड में खेला जाना है। इसके बाद टीमें 10 नवंबर को दूसरे मैच के लिए गेकेबरहा जाएंगी। उसके बाद सेंचुरियन में हाईवेल्ड (13 नवंबर) और जोहान्सबर्ग (15 नवंबर) में खेलकर सीरीज का समापन करेंगी। पिछले साल के दौरे की टी20 सीरीज 1-1 की बराबरी पर समाप्त हुई थी। डरबन में खेला गया मैच बारिश के कारण धुल गया था। भारत का ये छोटा सा दौरा न्यूजीलैंड के खिलाफ घरेलू टेस्ट और बॉर्डर-गावस्कर सीरीज के लिए ऑस्ट्रेलिया के दौरे के बीच में होगा। क्रिकबज ने सीएसए के अध्यक्ष लॉसन नायडू के हवाले से लिखा कि, मैं दक्षिण अफ्रीका क्रिकेट और वर्ल्ड क्रिकेट को निरंतर समर्थन देने के लिए बीसीसीआई को धन्यवाद देना चाहता हूं।

2036 ओलंपिक की मेजबानी करेगा भारत, योग के साथ खो-खो और कबड्डी को किया जाएगा शामिल?

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत साल 2036 ओलंपिक की मेजबानी के लिए दावेदारी पेश करने के लिए तैयार है। पीएम मोदी ने लोकसभा चुनाव से पहले बीजेपी के मैनिफेस्टो में ओलंपिक 2036 की मेजबानी को जगह दी थी। अब जब एनडीए सरकार में है तो मेजबानी के लिए दावेदारी को पुख्ता करने की तैयारी में शुरू कर चुके हैं। भारत मेजबानी के लिए अपने प्रस्ताव में कोई कमी नहीं छोड़ना चाहता। अगर भारत को मेजबानी मिलती है तो फैंस को ओलंपिक में पहली बार योग को देखने का मौका मिल सकता है। वहीं खेल मंत्रालय के मिशन ओलंपिक सेल 6 स्पोर्ट्स को उन खेलों में शामिल करने के लिए अपील करेगा। योग के अलावा टी20 क्रिकेट, कबड्डी, शतरंज, स्क्वाश और खो-खो भी दिया है। मिशन ओलंपिक सेल में देश के पूर्व खिलाड़ी, फेडरेशंस के अधकिरी और खेल मंत्रालय और साई के अधाकिरक योग शामिल हैं। पिछले साल मिशन ओलंपिक रोल की बैठक में देश के पीएम मोदी ने आधिकारिक घोषणा की थी कि वह 2036 के ओलंपिक के लिए बिड करेंगे। इस के दो महीने बाद योग को शामिल करने पर चर्चा भी हुई। भारत पूरी जी जान से तैयारियों में जुटा हुआ है। भारतीय ओलंपिक संघ आईओसी से बात कर चुका है लेकिन इसका फैसला दो साल बाद होगा। भारत अगले महीने से पेरिस में होने वाले ओलंपिक के दौरान वहां इंडिया हाउस बनाने वाला है। इंडियन एक्सप्रेस की रिपोर्ट के मुताबिक 2036 ओलंपिक के लिए 6 पेज की समरी बनाई गई, जिसमें बताया गया है कि दावदारी पेशकरते हुए चीज ध्यान दिया जाएगा। इस रिपोर्ट के मुताबिक यौन शोषण और पोस्को को लेकर जाकरुकात फैलाना, डोपिंग की रोकथाम, फेडरेशंन को और जिम्मदारी बनाना, जमीनी स्तर पर काम करना, अच्छे कोच और रेफरी तैयार कनरे के अलावा इंफ्रास्टक्चर पर जोर दिया गया है।

टी20 विश्व कप में खराब प्रदर्शन के बाद चयन समिति में बदलाव करेगा पीसीबी

लाहौर (एजेंसी)। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड टी20 विश्व कप में टीम के खराब प्रदर्शन के बाद पुरानी चयन समिति व्यवस्था पर लौटेगा क्योंकि कोई मुख्य चयनकर्ता नहीं रखने का प्रयोग बुरी तरह नाकाम रहा। पाकिस्तान को टी20 विश्व कप के ग्रुप चरण में अमेरिका और भारत ने हराया जिससे टीम सुपर आठ में जगह नहीं बना सकी। एक सूत्र ने बताया ,'' बोर्ड पुरानी व्यवस्था पर लौट सकता है जिसमें एक मुख्य चयनकर्ता और दो या तीन चयनकर्ता होते थे। इसमें चयन बैठकों में कप्तान और मुख्य कोच नहीं बैठते थे।'' टी20 विश्व कप की टीम चुनने वाली चयन समिति के सदस्य रहे पूर्व तेज गेंदबाज वहाब रियाज नये मुख्य चयनकर्ता बन सकते हैं। वह उस समय भी मुख्य चयनकर्ता थे जब बोर्ड ने पुरानी प्रणाली को छोड़कर नयी व्यवस्था अपनाई थी। नयी व्यवस्था में कप्तान और मुख्य कोच (बाबर आजम और गैरी कर्स्टन) ने चयन किये जिनके साथ डाटा विश्लेषक और पूर्व क्रिकेट मोहम्मद युसूफ, वहाब , असद शफीक और अब्दुल रज्जाक थे।

बुमराह के आसपास भी नहीं है कोई गेंदबाज, भारत भाग्यशाली-संजय मांजरेकर

ब्रिजटाउन (एजेंसी)। पूर्व बल्लेबाज संजय मांजरेकर का मानना है कि भारतीय टीम भाग्यशाली है जिसके पास जसप्रीत बुमराह जैसा गेंदबाज है जो अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में बाकी गेंदबाजों से मीलों आगे है। बुमराह ने अफगानिस्तान के खिलाफ टी20 विश्व कप सुपर आठ चरण के पहले मैच में चार ओवर में सात रन देकर तीन विकेट लिये। भारत ने यह मैच 47 रन से जीता। मांजरेकर ने ईएसपीएन क्रिकइन्फो से कहा ,'' कई मैचों में हमने चौके नहीं गंवाये। उनके और बाकी तेज गेंदबाजों के बीच का अंतर देखिये। दुनिया के बाकी शीर्ष गेंदबाजों को देखें तो बुमराह और उनमें बाकी अंतर है। भारत भाग्यशाली है कि उसके पास बुमराह जैसा गेंदबाज है।'' भारत के पूर्व कप्तान अनिल कुंबले ने कहा ,'' अपनी गेंदबाजी को वह किस कदर बखूबी समझता है, वह पता चलता है। उसने हर बल्लेबाज के खिलाफ अध्ययन कर रखा है और रणनीति पर सटीक अमल कर रहा है। यह आसानी से नहीं होता। पूरे टूर्नामेंट में उसने बहुत कम चौके छक्के दिये हैं।'' सूर्यकुमार यादव के बारे में मांजरेकर ने कहा कि उसकी मौजूदगी से भारत को फायदा मिल रहा है। उन्होंने कहा ,'' भारत के पास दुनिया के सर्वश्रेष्ठ टी20 बल्लेबाजों में से एक है। कठिन पिच पर सामने फॉर्म में चल रहा राशिद खान जैसा गेंदबाज हो , तब पता चलता है कि सूर्यकुमार के टीम में होने का क्या फायदा है। वह हमेशा छक्के लगाने की फिराक में नहीं रहता बल्कि डटकर संयमित पारी भी खेलता है।'' कुंबले ने कहा ,'' सूर्यकुमार जैसे बल्लेबाज की जरूरत चौथे नंबर पर रहती है।

मिचेल स्टार्क ने रचा इतिहास, वर्ल्ड कप में लसिथ मलिंगा को छोड़ा पीछे

नई दिल्ली (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया और बांग्लादेश के खिलाफ सुपर 8 मैच में तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क ने 4 ओवर में 21 रन बनाकर एक विकेट लिया। इस एक विकेट के साथ उन्होंने लसिथ मलिंगा को भी पछाड़ दिया है। एक विकेट लेने के बाद स्टार्क टी20 और वनडे वर्ल्ड कप में मिलाकर सबसे ज्यादा विकेट चटकाने वाले गेंदबाज बन गए हैं। शुरुआती ओवर में तंजीद हसन को फंसाने के बाद मिचेल स्टार्क अपने 95वें विश्व कप विकेट के सात सफेद गेंद क्रिकेट के इतिहास में सबसे शानदार गेंदबाज बन गए। विकेट लेने के बाद स्टार्क ने श्रीलंका के लसिथ मलिंगा को पीछे छोड़ दिया है। लसिथ मलिंगा ने टी20 और वनडे वर्ल्ड कप के मैच मिलाकर कुल 60 मैच खेले थे, जिसमें उन्होंने 21.74 की शानदार औसत के सात कुल 94 विकेट चटकाए थे। लेकिन अब 52वें वर्ल्ड कप मैच में स्टार्क ने 95 विकेट चटकाकर इतिहास रच दिया है।

बांग्लादेश के खिलाफ मुकाबले में भारत के शीर्ष क्रम और दुबे पर अच्छे प्रदर्शन का दबाव

नई दिल्ली (एजेंसी)। जीत के अश्वमेध रथ पर सवार भारतीय टीम टी20 विश्व कप के सुपर आठ चरण के मैच में शनिवार को अपने स्टार बल्लेबाजों के फॉर्म में लौटने की उम्मीद के साथ बांग्लादेश के खिलाफ उतरेगी चूंकि प्रतिद्वंद्वी के पिछले रिकॉर्ड को देखते हुए उसे हलके में कतई नहीं लिया जा सकता। दोनों टीमों के एक दूसरे के खिलाफ रिकॉर्ड में भारत का पलड़ा भारी है लेकिन बांग्लादेश उलटफेर करने में माहिर है और टीम इंडिया को इसका बखूबी इल्म है। खिताब की प्रबल दावेदार भारतीय टीम ने अफगानिस्तान के खिलाफ सुपर आठ चरण के पहले मैच में बेहतरीन प्रदर्शन किया। बाकी दोनों मैचों के बीच ज्यादा अंतराल नहीं है लिहाजा कप्तान रोहित शर्मा उम्मीद कर रहे होंगे कि उनके स्टार खिलाड़ी रंगत में लौटें। विराट कोहली और रोहित ने अच्छी शुरूआत की लेकिन बड़ी पारी अभी तक नहीं खेल सके हैं। बायें हाथ के बल्लेबाज शिवम दुबे को बीच के और डैथ ओवरों में छक्के लगाने के लिये टीम में रखा गया था लेकिन अभी तक वह अपेक्षाओं पर खरे नहीं उतरे हैं। आईपीएल में जिस फॉर्म के कारण उन्हें भारतीय टीम में जगह दी गई थी, वह अभी तक नजर नहीं आया है।

उन्होंने अमेरिका के खिलाफ ग्रुप मैच में नाबाद 31 रन बनाये लेकिन सूर्यकुमार यादव के प्रयासों से भारत को जीत मिली। एक और बार उनके नाकाम रहने पर टीम प्रबंधन संजू सैमसन को उतारने का फैसला ले सकता है। अफगानिस्तान के खिलाफ मैच में हार्दिक पंड्या का बल्लेबाजी फॉर्म में लौटना सुखद रहा। गेंदबाजी में भारत उसी संयोजन को उतार सकता है। बायें हाथ के स्पिनर कुलदीप यादव को पहली बार अफगानिस्तान के खिलाफ ही मौका मिला और वह प्रभावी साबित हुए। मैच के बाद अक्षर पटेल ने कहा था ,'' बायें हाथ के तीन स्पिनरों को उतारने से फायदा मिला है। इनमें से एक कलाई का स्पिनर और दो ऊंगली के स्पिनर हैं। इन तीनों का संयोजन जबर्दस्त रहा है। हमारे पास अच्छी टीम है और हमारा तालमेल बेहतरीन है। हम आपस में बात करते हैं कि क्या कारगर साबित हो रहा है और क्या नहीं। एक ईकाई के रूप में गेंदबाजी करने पर यह बहुत जरूरी है।''वेस्टइंडीज में भारत का एकमात्र लक्ष्य खिताब जीतना है और बांग्लादेश के खिलाफ अच्छा प्रदर्शन उसी सिलसिले में अगला कदम होगा चूंकि 24 जून को सामना आस्ट्रेलिया से है। बांग्लादेश के बल्लेबाजों ने अभी तक निराश किया है और उसे उम्मीदें बनाये रखने के लिये हर हालत में जीत दर्ज करनी होगी। उसे टीम में पावर हिटर्स की कमी खल रही है। सलामी बल्लेबाज लिटन दास और तंजीद खान के खराब प्रदर्शन ने भी उसकी परेशानियां बढा दी हैं। बांग्लादेश के कप्तान नजमुल हुसैन शांतो ने आस्ट्रेलिया से मिली हार के बाद कहा था ,'' शीर्षक्रम का रन बनाना जरूरी है। उम्मीद है कि गेंदबाज भी फॉर्म में लौटेंगे। हमारा लक्ष्य भारत के खिलाफ सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन का है।'' बांग्लादेश के बल्लेबाजों के सामने चुनौती जसप्रीत बुमराह का सामना करने की है जो अब तक बेहतरीन फॉर्म में हैं और उनका इकॉनॉमी रेट 3 . 46 रहा है।

टीमें

भारत-रोहित शर्मा (कप्तान), हार्दिक पांड्या, यशस्वी जायसवाल, विराट कोहली, सूर्यकुमार यादव, ऋषभ पंत, संजू सैमसन, शिवम दुबे, रवींद्र जडेजा, अक्षर पटेल, कुलदीप यादव, युजवेंद्र चहल, अर्शदीप सिंह, जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद सिराज।

बांग्लादेश- नजमुल हुसैन शांतो (कप्तान), तस्कीन अहमद, लिटन दास, सौम्या सरकार, तंजीद हसन तमीम, शाकिब अल हसन, तौहीद हृदोय, महमूद उल्लाह रियाद, जैकर अली अनिक, तनवीर इस्लाम, शाक महेदी हसन, रिशाद हुसैन, मुस्तफिजुर रहमान, शोरीफुल इस्लाम, तंजीम हसन साकिब।

बांग्लादेश के बल्लेबाजों के खराब प्रदर्शन के बावजूद कप्तान शांतो को जीत का यकीन

नॉर्थ साउंड (एजेंसी)। बांग्लादेश के कप्तान नजमुल हुसैन शांतो ने स्वीकार किया कि उनके बल्लेबाज टी20 विश्व कप में अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पा रहे लेकिन उन्होंने सुपर आठ चरण में भारत के खिलाफ अगले मैच समेत बाकी मैचों में बेहतर प्रदर्शन का वादा किया। बांग्लादेश ने ग्रुप चरण में तीन मैच जीतकर सुपर आठ के लिये क्वालीफाई किया था लेकिन सुपर आठ चरण के पहले मैच में आस्ट्रेलिया ने उसे डकवर्थ लुईस प्रणाली के आधार पर 28 रन से हराया। अब उसका सामना भारत से है। शांतो ने मैच के बाद प्रेस कांफ्रेंस में कहा ,'' अगले दो मैच महत्वपूर्ण हैं। इनमें काफी कुछ दाव पर है। इन्हें जीतकर हम बेहतर स्थिति में होंगे और हम दोनों मैच जीतने की कोशिश करेंगे।'' यह पूछने पर कि क्या टीम बल्लेबाजी में फॉर्म के लिये जूझ रही है , शांतो ने कहा ,'' यह कहना मुश्किल है कि हम अच्छा क्यो नहीं खेल पा रहे। हर खिलाड़ी सक्षम है और अतीत में अलग अलग जगहों पर अच्छा खेला है।' उन्होंने कहा ,'' लेकिन मेरे पास इसका कोई जवाब नहीं है कि यहां अच्छा क्यों नहीं खेल पाये। हर किसी को अपना स्वाभाविक खेल दिखाने की आजादी है लेकिन वे खेल नहीं पा रहे।

शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य के लिये योग अत्यंत महत्वपूर्ण : प्रतिमा बागरी

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के कार्यक्रम में शामिल हुईं राज्यमंत्री

मीडिया ऑडीटर, सतना निप्र। नगरीय विकास एवं आवास राज्यंत्री प्रतिमा बागरी ने कहा कि शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य के लिये योग की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण होती है। इसे अपनी दैनिक दिनचर्या में शामिल कर प्रतिदिन नियमित रुप से योग करें। उन्होने कहा कि योग मानसिक तनाव से मुक्त रखने के साथ ही व्यक्ति को निरोगी भी बनाता है। राज्यमंत्री बागरी शासकीय उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय व्यंकट क्रमांक-1 सतना के मैदान में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर आयोजित जिला स्तरीय कार्यक्रम को संबोधित कर रहीं थी। इस मौके पर उन्होने राज्य सरकार की रानी दुर्गावती अन्न प्रोत्साहन योजना के अन्न संवर्धन अभियान के शुभारंभ अवसर पर मिलेट (मोटा अनाज) आधारित कृषि अन्न प्रदर्शनी का अवलोकन भी किया। इस मौके पर महापौर योगेश ताम्रकार, कलेक्टर अनुराग वर्मा, पुलिस अधीक्षक आशुतोष गुप्ता, आयुक्त नगर निगम शेर सिंह मीना, एसडीएम राहुल सिलाढ़िया, एएसपी शिवेश सिंह, जिला कार्यक्रम अधिकारी सौरभ सिंह, जिला शिक्षा अधिकारी नीरव दीक्षित, जिला आयुष अधिकारी डॉ नरेंद्र पटेल, डीपीसी विष्णु त्रिपाठी, एडीपीसी गिरीश अग्निहोत्री, प्राचार्य व्यंकट-1 सुशील श्रीवास्तव, सचिव रेडक्रास सोसायटी डॉ अरुण त्रिवेदी, उप संचालक कृषि मनोज कश्यप, पीडी आत्मा राजेश त्रिपाठी भी उपस्थित रहे।

जिला स्तरीय अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कश्मीर से योग दिवस का संबोधन और मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के लाल परेड मैदान भोपाल में आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम का सीधा प्रसारण बड़ी स्क्रीन पर देखा गया। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने इस अवसर पर रानी दुर्गावती अन्न प्रोत्साहन योजना के अन्न संवर्धन अभियान का शुभारंभ भी किया। जिला स्तरीय कार्यक्रम में सामूहिक रूप से योग के विभिन्न आसनों, प्राणायाम और ध्यान की क्रियाओं का अभ्यास कराया गया।

जिसमें स्कंध चालन, ग्रीवा चालन, कटि चक्रासन, पवन मुक्तासन, शशकासन का योगाभ्यास कराया गया। इसके अलावा अनुलोम-विलोम, भ्रामरी, शीतली एवं नाड़ी शोधन प्राणायम का अभ्यास योग प्रशिक्षकों द्वारा कराया गया।

योगाभ्यास कार्यक्रम को संबोधित करते हुये राज्यमंत्री प्रतिमा बागरी ने कहा कि सभी लोग योग करें और निरोगी रहें। उन्होने कहा कि योग हमारी प्राचीन परंपरा का एक अमूल्य उपहार है। जिसे विश्व में विख्यात करने का काम हमारे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने किया है। प्रधानमंत्री मोदी द्वारा अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाने के प्रस्ताव को संयुक्त राष्ट्र ने स्वीकार किया और 21 जून के दिन प्रतिवर्ष संपूर्ण विश्व में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाने का प्रस्ताव पारित किया गया। राज्यमंत्री ने कहा कि योग मन और शरीर, विचार और क्रिया की एकता का प्रतीक है। योग सरल है, सभी के लिए हैं। उन्होने कहा कि जिस प्रकार से हम सब की जीवन शैली में परिवर्तन आया है और संसाधनों की उपलब्धता ने हमारे जीवन को आरामदायक बनाया है। उतना ही हमारा शरीर विभिन्न प्रकार की बीमारियों का घर बन गया है। बदलती जीवनशैली और खान-पान के दौर में हमें योग के साथ अपने खान-पान, आचार-विचार पर भी विशेष ध्यान देना जरूरी है। शारीरिक व मानसिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाए रखने के लिए अपनी दिनचर्या में योग व श्रीअन्न को शामिल करना आवश्यक है।

जिलेभर में आयोजित हुये योग दिवस के कार्यक्रम

ग्रामोदय विश्वविद्यालय चित्रकूट में दो हजार अधिक लोगों ने किया योगाभ्यास

मीडिया ऑडीटर, सतना निप्र। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में चित्रकूट स्थित महात्मा गांधी ग्रामोदय विश्वविद्यालय के खेल परिसर में सामूहिक योग का आयोजन किया गया। योग दिवस के अवसर पर विश्वविद्यालय के खेल मैदान में उपस्थित तकरीबन दो हजार लोगों को योग प्रशिक्षक तुषारकांत शात्री द्वारा योगासन, प्राणायाम और व्यायाम करवाए गए। इस अवसर पर दीन दयाल शोध संस्थान के संगठन सचिव डॉ अभय महाजन, सदुरु सेवा संघ ट्रस्ट के डॉ वीके जैन, विश्वविद्यालय के शिक्षकगण, विद्यार्थी एवं आमजन उपस्थित रहे।

केंद्रीय जेल सतना में कैदियों ने किया योग: जिले भर में विश्व योग दिवस समारोहपूर्वक मनाया गया। केंद्रीय जेल सतना में भी योग दिवस के अवसर पर जेल के स्टॉफऔर कैदियों ने योगाभ्यास किया। ईशा फाउंडेशन कोयंबटूर की योगा शिक्षिका आकांक्षा नेमा और अक्षत जैन ने योगाभ्यास कराया। इस दौरान कोण आसन, कुर्सी आसन मंडूक, तितली, पंचमुद्रा आसन तथा भस्त्रिका प्राणायाम, ओम अर्ह नाद आसन का अभ्यास कराया गया। इस अवसर मुख्य अतिथि डॉ हर्षवर्धन श्रीवास्तव, डॉ सुधीर जैन, जेल अधीक्षक लीना कोष्टा, सहायक जेल अधीक्षक श्रीकांत त्रिपाठी, कल्याण अधिकारी अनिरुद्ध कुमार तिवारी उपस्थित रहे।

स्व-समूह की दीदियो ने दिया योग को अपनाने का संदेश: अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर जनपद पंचायत नागौद अंतर्गत स्व-सहायता समूह की महिलाओं ने ग्राम पंचायत चंदकुईया में योगाभ्यास किया। स्व-सहायता समूह की महिलाओं ने योगाभ्यास के माध्यम से योग को अपने जीवन का हिस्सा बनाने का संदेश दिया।

सांसद ने मैत्री पार्क में किया योग

मीडिया ऑडीटर, सतना निप्र। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर जिले की सभी शैक्षणिक संस्थाओं, शासकीय कार्यालयों, निजी प्रतिष्ठानों, औद्योगिक संस्थाओं में योगाभ्यास किया गया। सांसद सतना गणेश सिंह मैत्री पार्क में आयोजित योग दिवस के कार्यक्रम में शामिल हुये। सांसद सिंह ने स्थानीय जनों के साथ योगाभ्यास किया। सांसद सिंह ने कहा कि योग, एक परिवर्तनकारी अभ्यास है, जो मन और शरीर के सामंजस्य, विचार और क्रिया के बीच संतुलन और संयम और पूर्ति की एकता का प्रतिनिधित्व करता है। यह शरीर, मन, आत्मा और आत्मा को एकीकृत करता है, स्वास्थ्य और कल्याण के लिए एक समग्र दृष्टिकोण प्रदान करता है, जो हमारे व्यस्त जीवन में शांति लाता है।

सांसद गणेश सिंह ने कहा कि भारत ने विश्व कल्याण के लिये दुनिया का बहुत कुछ दिया है। जिसमें से एक महत्वपूर्ण सौगात योग की है। आज यह विश्व भर में विभिन्न रूपों में प्रचलित है और इसकी लोकप्रियता निरन्तर बढ़ रही है। विश्व के अनेक देशों में योग एक ट्रेंड बन चुका है। सांसद श्री सिंह ने सभी नागरिकों से प्रतिदिन योग करने की अपील भी की। उन्होने कहा कि हम योग को दैनिक जीवन का अभिन्न हिस्सा बनाएं और सदैव स्वस्थ रहते हुए देश की सेवा करें। इस अवसर पर जिला पंचायत उपाध्यक्ष सुष्मिता सिंह परिहार, पूर्व महापौर ममता पांडेय, पुष्कर सिंह तोमर, जिलाध्यक्ष सतीश शर्मा सहित पार्षदगण, जनप्रतिनिधि एवं आमजन उपस्थित रहे।

शासकीय कन्या शाला मैहर में संपन्न हुआ योग कार्यक्रम

जनप्रतिनिधियों, प्रशासनिक अधिकारियों और आमजनों ने किया योगाभ्यास

मीडिया ऑडीटर, सतना निप्र। दसवें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर मैहर जिला मुख्यालय स्थित शासकीय कन्या विद्यालय मैहर में सामूहिक योग कार्यक्रम आयोजित किया गया। स्वयं एवं समाज के लिए योग थीम पर आधारित सामूहिक योग कार्यक्रम की शुरूआत मां सरस्वती की प्रार्थना से की गई। तत्पश्चात योग प्रशिक्षकों ने उपस्थित लोगों को चालन क्रियायें, योगासन, प्राणायाम एवं ध्यान का अभ्यास कराया। सामूहिक योग कार्यक्रम के अवसर पर मुख्य अतिथि के रुप में उपस्थित विधायक श्रीकांत चतुर्वेदी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रयासों से 21 जून को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के रूप में मनाने की शुरुआत हुई है। उन्होंने कहा कि तन और मन को शांत और स्वस्थ रखने के लिए योग करना बहुत जरूरी है। योग करने से शारीरिक और मानसिक दोनो लाभ मिलते है। यह तनाव, चिंता को कम करने में भी मदद करता है। योग प्राचीन समय से मनुष्य को प्रकृति द्वारा दिया गया बहुत ही महत्वपूर्ण और अनमोल उपहार है, जो जीवन भर मनुष्य को प्रकृति के साथ जोड़कर रखता है। यह शरीर और मस्तिष्क के बीच सामंजस्य स्थापित करने के लिए, इन दोनों को संयुक्त करने का सबसे अच्छा अभ्यास है। यह एक व्यक्ति को सभी आयामों पर, जैसे- शारीरिक, मानसिक, सामाजिक और बौद्धिक स्तर पर नियंत्रण के द्वारा उच्च स्तर की संवेदनशीलता प्रदान करता है। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक सुधीर अग्रवाल, अपर कलेक्टर मैहर शैलेंद्र सिंह, एसडीएम विकास सिंह, तहसीलदार जितेंद्र पटेल, सीएमओ लालजी ताम्रकार, सीईओ प्रतिपाल बागरी, सीडीपीओ विद्याचरण तिवारी, सुभाष मिश्रा सहित शासकीय अधिकारी-कर्मचारी, विद्यार्थियों और आमजन उपस्थित रहे। सभी उपस्थित जनों ने सामूहिक रुप से योगाभ्यास किया।

पल्स पोलियो अभियान

जिले में 23 से 25 जून तक साढ़े तीन लाख से अधिक बच्चों का होगा पोलिया वैक्सीनेशन

मीडिया ऑडीटर, सतना निप्र। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. एलके तिवारी ने बताया कि भारत शासन एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के निर्देशानुसार 23 से 25 जून 2024 को जिले में राष्ट्रीय पल्स पोलियो अभियान का आयोजन किया जायेगा। अभियान के दौरान 0 से 5 वर्ष तक के बच्चों को दो बूँद पोलियो की दवा पिलाई जाएगी। जिसमें जिले के 3 लाख 56 हजार 908 बच्चों का पोलियो वैक्सीनेशन किया जायेगा। मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने बताया कि स्वास्थ्य विभाग द्वारा अभियान के क्रियान्वयन के लिये 2622 पोलियो बूथ बनाए गए है। इसके अलावा 74 ट्रांजिट बूथ एवं 46 मोबाइल बूथ अभियान के दौरान सक्रिय रहेंगे। वैक्सीनेशन कार्य के लिये 282 पर्यवेक्षक एवं 5658 कार्यकर्ता तैनात किये गये हैं।

मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ तिवारी ने बताया कि अभियान का शुभारंभ सांसद सतना गणेश सिंह करेंगे। तीन दिवसीय अभियान के प्रथम दिवस प्रात: 8 बजे से शाम बजे तक 5 वर्ष तक बच्चों को पोलियो बूथ पर पोलियो की दवा पिलाई जायेगी। पहले दिन के वैक्सीनेशन से छूटे हुये बच्चों को अभियान के दूसरे और तीसरे दिन अर्थात् 24 और 25 जून को घर-घर पहुंचकर कर्मचारियों द्वारा खुराक पिलाई जाएगी। पल्स पोलियो अभियान के दौरान ईंट, भट्टे एवं निर्माण स्थल झुग्गी, झोपडिया, घुमक्कड आबादी वाले स्थल पर विशेष ध्यान देकर शत-प्रतिशत पूर्ति का प्रयास किया जाएगा। इसके लिये सी-टाइप की टीमें गठित की गई हैं। इसके अलावा बाहर से आये हुये बच्चो पर कड़ी नजर रखने के लिये बस स्टैंड, रेल्वे स्टेशन एवं अन्य आवागमन स्थलों पर अतिरिक्त टीम तैनात की गई है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी ने आम नागरिको से अपील की है कि अपने 0 से 5 वर्ष तक के सभी बच्चों को नजदीकी पोलियो बूथ पर ले जाकर पोलियो की दवा अवश्य पिलवायें।

ग्रामीण स्व-रोजगार प्रशिक्षण कार्यक्रम में 808 लोगों को दिया गया प्रशिक्षण

जिला स्तरीय आरसेटी सलाहकार समिति की बैठक

मीडिया ऑडीटर, सतना निप्र। जिला स्तरीय ग्रामीण स्व-रोजगार प्रशिक्षण कार्यक्रम की समीक्षा बैठक शुक्रवार को आयुक्त नगर निगम शेर सिंह मीना की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक में विभिन्न बैंको के वार्षिक ऋण योजना में प्रगति की समीक्षा, जमा ऋण अनुपात एवम विभिन्न शासकीय योजनाओं में प्रगति की समीक्षा की गई ।एलडीएम गौतम शर्मा ने स्व-रोजगार प्रशिक्षण कार्यक्रम के तहत प्रशिक्षण प्राप्त कर चुके ग्रामीण युवा-युवतियों के सेटलमेंट की प्रगति की जानकारी दी। उन्होने बताया कि प्रशिक्षण कार्यक्रम के तहत निर्धारित लक्ष्य 750 के विरुद्ध 808 प्रशिक्षणार्थियों को प्रशिक्षित किया गया है। इनमें से 628 युवाओं को सेटलमेंट किया जा चुका है। 316 प्रशिक्षणार्थियों को बैंक लिंकेज से भी जोड़ा गया है। एलडीएम ने बताया कि सत्र 2024-25 में 26 प्रकार के रोजगार कार्यक्रमों के तहत प्रशिक्षण प्रदान किया गया है। इस अवसर पर भारतीय रिजर्व बैंक से विनय मोरे, नाबार्ड से जिला प्रबंधक जीडी गोपेश, इंडियन बैंक से सहायक महाप्रबंधक डॉ योगेंद्र सिंह, सहायक महाप्रबंधक उद्योग आरएल पांडेय, परियोजना प्रबंधक अंजुला झा सहित विभिन्न बैंको से जिला समन्वयक उपस्थित रहे।

सीएम राइज रामपुर बघेलान में संपन्न हुआ योग दिवस का कार्यक्रम

सतना निप्र। दसवां अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस जिलेभर में मनाया गया। इस अवसर पर जनप्रतिनिधियों, शासकीय सेवकों, सामाजिक संस्थाओं, विद्यार्थियों, स्वयंसेवी संस्थाओं सहित आमजनों ने योगाभ्यास किया। इसी कड़ी में रामपुर बाघेलान के सीएम राइज विद्यालय सभागार में विधायक रामपुर बघेलान विक्रम सिंह के मुख्यातिथ्य में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। विधायक श्री सिंह ने कहा कि योग को नियमित दिनचर्या का हिस्सा बनाएं। यह आपके स्वास्थ्य और दीर्घ जीवन के लिए अति उत्तम है।

ग्रामीण समूह जल प्रदाय योजना पूर्ण करने दी गई दिसंबर 2024 की डेडलाइन

महत्वाकांक्षी योजना की प्रगति की सांसद गणेश सिंह ने की समीक्षा

मीडिया ऑडीटर, सतना निप्र। सतना और मैहर जिले में घर-घर नल से जल पहुंचाने की जल जीवन मिशन की महत्वाकांक्षी सतना-बाणसागर ग्रामीण समूह जलप्रदाय योजना की धीमी प्रगति पर सांसद श्री गणेश सिंह ने असंतोष प्रकट करते हुए दिसंबर 2024 में संपूर्ण जलप्रदाय योजना के कार्यों को पूर्ण कर लेने की डेडलाइन दी है। सर्किट हाउस सतना में शुक्रवार को सतना और मैहर जिला प्रशासन, जल निगम और अन्य निर्माण विभागों के वरिष्ठ अधिकारियों की बैठक लेकर सांसद श्री सिंह ने ग्रामीण समूह जलप्रपात योजना फेज 1 और फेज 2 के कार्यों की समीक्षा की। इस अवसर पर कलेक्टर सतना अनुराग वर्मा, अपर कलेक्टर मैहर शैलेंद्र सिंह, महाप्रबंधक जल निगम नीरव अग्रवाल, कार्यपालन यंत्री लोक निर्माण बीआर सिंह, नर्मदा घाटी विकास से अजय सिंह सहित दूरसंचार, जिला पंचायत, एमपी आरडीसी, एनएचएआई, प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना, अल्ट्राटेक सीमेंट और कार्य एजेंसी लॉर्सन एंड ट्रूब्रो के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

सतना-बाणसागर ग्रामीण समूह जल प्रदाय योजना की कार्यकारी एजेंसी लॉर्सन एंड ट्रूब्रो के अधिकारियों ने बताया कि 1135 करोड़ 96 लाख रुपए की प्रथम फेज की परियोजना का कार्य किया जा रहा है। जिसके निर्माण उपरांत योजना का संचालन-संधारण 10 वर्षों तक एजेंसी द्वारा ही किया जाएगा। परियोजना के तहत पांच विकास विकासखंडों में बिछाई गई पानी सप्लाई की लाइनों एवं संरचनायें विभिन्न शासकीय निर्माण विभागों के विकास कार्यों से क्षतिग्रस्त हो गई हैं। जिसमें विभागीय तौर पर सर्वे कर क्षति का आकलन किया गया है और विभिन्न विभागों पर देनदारी निकाली गई है। अन्य विकास विभागों द्वारा क्षति के आकलन के सर्वे पर असहमति व्यक्त करने पर निर्णय लिया गया है कि जल निगम और उनकी एजेंसी तथा अन्य विकास विभाग बीएसएनएल, लोक निर्माण, ग्राम पंचायत, नगरीय निकाय, नर्मदा घाटी विकास, प्रधानमंत्री सड़क, जल संसाधन, एमपीआरडीसी, एनएचएआई और जल प्रदाय योजना के अधिकारी क्षतिग्रस्त स्थलों की संयुक्त विजिट सर्वे करेंगे। इसके उपरांत यदि विभाग की कमी से पाइपलाइन क्षतिग्रस्त हुई है तो संबंधित विभाग रेस्टोरेशन की प्रतिपूर्ति करें। रेस्टोरेशन और मरम्मत का कार्य जल प्रदाय योजना की कार्य एजेंसी ही करेगी। सांसद श्री सिंह ने जल निगम के अधिकारियों द्वारा अन्य विभागों के बीच योजना की ड्राइंग, डिजाइन और कार्य योजना शेयर नहीं करने पर नाराजगी व्यक्ति की। उन्होंने कहा कि यह योजना अत्यंत विलंब से चल रही है। महत्वाकांक्षी योजना में अन्य विभागों से समन्वय कर रूकावटों का हल निकालना चाहिए। यदि विभागों के समन्वय में कोई कठिनाई है तो टीएल की बैठक में कलेक्टर के ध्यान में लानी चाहिए थी।

सांसद सिंह ने कहा कि जल निगम और अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी अपनी संरचनाओं की क्षति का संयुक्त सर्वे कर आकलन कर लें और आपसी सामंजस्य के साथ तालमेल बिठाकर महत्वाकांक्षी योजना को मूर्त रूप देने में गति प्रदान करें। संयुक्त सर्वे और क्षति के आकलन का कार्य एक सप्ताह की समय सीमा में पूरा करायें। सांसद श्री सिंह ने कहा कि जिले में सभी टाइमलाइन प्रोजेक्ट समय सीमा से बाहर जा रहे हैं। जल निगम ने अभी टंकियों का निर्माण भी पूर्ण नहीं किया है। जबकि कई जिलों में जल जीवन मिशन का कार्य शत प्रतिशत पूर्ण हो चुका है। सांसद ने कहा कि जल जीवन मिशन के कार्यों में गति लायें और दिसंबर 2024 की डेडलाइन में संपूर्ण कार्य पूरा करें। जल जीवन मिशन के तहत पाइपलाइन से घर के भीतर तक नल स्थापित कर कनेक्शन देना है। कलेक्टर श्री वर्मा ने कहा कि एक सप्ताह में सर्वे पूरा कर तीन माह के भीतर पाइपलाइनों के रेस्टोरेशन का कार्य पूरा करें। जल निगम की एजेंसी अपने कार्यों के अलावा दूसरे अन्य विभागों के लक्ष्य, शर्तें और विकास कार्यों को भी ध्यान में रखें।

सांसद श्री सिंह ने इस मौके पर एनएचएआई के अधिकारियों से मैहर-सतना टू लेन सड़क पर बिहटा, गोबरांव खुर्द में सर्विस लेन बनाने, सड़कों के ब्लैक स्पॉट को खत्म करने, मिचकुरिन में स्पीड ब्रेकर बनाने तथा जल संसाधन विभाग के अधिकारियों को सभी जल संरचनाओं एवं जलाशयों के गेट बरसात के बाद समय पर बंद करने के निर्देश दिए।

100 मिलीमीटर बारिष होने के बाद किसान करें बोनी

मीडिया ऑडीटर, सतना निप्र। उप संचालक कृषि विकास एवं किसान कल्याण मनोज कश्यप ने जिले के किसानों को सुझाव दिया है कि 100 मिलीमीटर की बारिश हो जाने के बाद ही बोनी का कार्य करें। किसान उन्नत किस्म के बीजों की बोनी बीच उपचार करने के बाद ही करें। उन्होने बताया कि जिले में उन्नत किस्म के बीज शासकीय प्रक्षेत्र गहवरा, बीज निगम रेवरा तथा बीज उत्पादक सहकारी समितियों, सेवा सहकारी समितियों एवं निजी विक्रेताओं के पास उपलब्ध है। कृषक अपनी सुविधा अनुसार बीज क्रय कर सकते हैं।

उप संचालक कृषि ने बताया कि मध्यप्रदेश शासन द्वारा विभिन्न किस्म के बीजों की दरें निर्धारित की गई हैं। सोयाबीन बीज की विक्रय दर प्रति क्विंटल 7550 रुपये निर्धारित की गई है। इसी प्रकार तिल 13420 रुपये, रामतिल 11330 रुपये, धान सुगंधित 5000 रुपये, धान मोटी 4490 रुपये, धान पतली 4900 रुपये, मक्का 4590 रुपये, ज्वार 6070 रुपये, कोदो 5720 रुपये, कुटकी 6680 रुपये, मूंग 11530 रुपये, उड़द 9900 रुपये एवं अरहर बीज के लिये 12850 रुपये प्रति क्विंटल दर निर्धारित की गई है।

उप संचालक ने बताया कि सरकार द्वारा बीज क्रय करने पर कृषकों को बीज वितरण अनुदान दिया जा रहा हैं। जिसके अनुसार सोयाबीन और मूंग पर 1000 रुपये, तिल, रामतिल पर 4000 रुपये, धान सुगंधित, धान मोटी पर 1500 रुपये, धान पतली पर 2000 रुपये, कोदो पर 2860 रुपये, ज्वार, कुटकी पर 3000 रुपये, मक्का पर 2295 रुपये, उड़द पर 4800 रुपये एवं अरहर पर 5000 हजार रुपये प्रति क्विंटल का अनुदान देय हैं।

उपकेंद्र चोरहटा से संबंधित फीडरों की विद्युत सप्लाई रहेगी प्रवाह

सतना निप्र। कार्यपालन अभियंता (विद्युत) ने बताया कि 22 जून को प्रात: 9 बजे से 11 बजे तक 132 केवी उपकेंद्र अमरपाटन से निकलने वाले 32 केवी मेनबेस फीडर एवं अन्य मेंटीनेंस के कार्य किये जायेंगे। जिससे सतना को ऊर्जित करने वाला 33/11 केव्ही उपकेंद्र चोरहटा के समस्त 11 केवी फीडरों की सप्लाई बाधित रहेगी।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक प्रकाशक संदीप द्विवेदी द्वारा मीडिया प्रकाशन रीवा से मुद्रित कर मीडिया ऑडीटर कार्यालय प्रभात बिहार कॉलोनी सतना से प्रकाशित, संपादक संदीप द्विवेदी आर.एन.आई नं.एमपीएचआईएन/2021/81683
प्रधान कार्यालय रीवा (सिटी कार्यालय चक्रधर सिटी सेंटर रीवा) फोन. नं. 9407132714, 7974467831 Mediaauditor1@gmail.com पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार, सभी विवादो का न्याय क्षेत्र रीवा होगा।